मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 82
बुधवार, 01 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

## जातिवादियों के दिल पर सांप लोट रहा: अमित शाह

**नई दिल्ली, 30 सितम्बर।** भाजपा से निष्कासित होने के एक साल से अधिक समय बाद, भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से राष्ट्रीय राजधानी में उनके आवास पर मुलाकात की। यह पूछे जाने पर कि क्या वह फिर से भाजपा में शामिल होंगे, सिंह ने कहा, ₹हम कब अलग हुए? हम साथ हैं। पवन सिंह ने अमित शाह, जेपी नड्डा और उपेंद्र कुशवाहा संग मीटिंग की तस्वीरें शेयर करते हुए विपक्ष पर तंज भी कसा है।

पवन सिंह ने एक्स पर लिखा कि जातिवादी राजनीति के पोषकों के दिल पे आज ई फोटो देख के साँप लोट रहा होगा। लेकिन जिनके दिल में विकसित बिहार का सपना बसता है, वो कब तक एक दूसरे से दूर रह सकते है। आज हमारे माननीय गृह मंत्री अमित शाह और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उपेंद्र कुशवाहा जी से मुलाकात हुई और उन्होंने दिल से आशीर्वाद दिया। मोदी जी और नीतीश जी के सपनों का बिहार बनाने में आपका बेटा पवन पूरा पावर लगाएगा।

गौरतलब है कि यह यात्रा बिहार विधानसभा चुनावों से पहले हो रही है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है। पवन सिंह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य थे, लेकिन 2024 में उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की अवहेलना करते हुए काराकाट लोकसभा क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए निष्कासित कर दिया था। 2024 के लोकसभा चुनावों में, पवन सिंह ने काराकाट सीट से स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, जिसके कारण उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

इससे पहले, भाजपा ने सिंह को पश्चिम बंगाल के आसनसोल निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था; हालाँकि, उन्होंने आसनसोल सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। सिंह को आसनसोल में टीएमसी के शत्रुघ्न सिन्हा का मुकाबला करने के लिए उम्मीदवार के रूप में माना जा रहा था, लेकिन अपने विवादास्पद संगीत वीडियो और फिल्मों को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की तीखी प्रतिक्रिया के कारण उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

## बरेली हिंसा के बाद एक्शन: मौलाना तौकीर के सहयोगी की अवैध संपत्ति पर चला बुलडोजर

**बरेली, 30 सितम्बर।** मौलवी तौकीर रजा खान द्वारा आहूत 'आई लव मुहम्मद' अभियान को लेकर बरेली में हुई हिंसक झड़पों के बाद, अधिकारियों ने मंगलवार को उनके कथित सहयोगी मोहसिन रजा की संपत्ति को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बरेली के अधिकारियों ने कार्रवाई के लिए तौकीर रजा के सहयोगियों से जुड़ी आठ कथित अवैध संपत्तियों की पहचान की है। उन्होंने बताया कि बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) और जिला प्रशासन की टीमों ने फाइक एन्क्लेव, जगतपुर और पुराने शहर के इलाकों में एक संयुक्त अभियान चलाया।

कथित तौर पर ये इमारतें बिना स्वीकृत नक्शों के बनाई गई थीं, जिनमें से कुछ सरकारी और सीलिंग की जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थीं। पुलिस ने दावा किया कि फाइक एन्क्लेव पिछले कुछ वर्षों में अपराधियों के लिए एक पनाहगाह के रूप में उभरा है। बीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. मणिकंदन ए ने कहा, सरकारी और सीलिंग की जमीन पर अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, बरेली नगर निगम ने पहलवान साहब की दरगाह के ऊपर बनी दुकानों सहित कई दुकानों को अवैध निर्माण के कारण ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया है। जिला प्रशासन ने तौकीर के सहयोगियों और वित्तपोषकों के करीबी नेटवर्क पर निगरानी बढ़ा दी है, जिन पर सामुदायिक कार्यक्रमों की आड़ में गैरकानूनी गतिविधियों को वित्तपोषित करने और रणनीति बनाने का संदेह है। यह कार्रवाई 26 सितंबर को बरेली में हुई हिंसक झड़पों के बाद की गई है, जब शुक्रवार की नमाज के बाद कोतवाली क्षेत्र में एक मस्जिद के बाहर 2,000 से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिसके बाद पथराव हुआ और पुलिसकर्मी घायल हो गए।

## पंजाब बाढ़ प्रभावित लोगों को केंद्र दे विशेष पैकेज: भगवंत मान

**पंजाब, 30 सितम्बर।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की अपील की और हाल ही में आई अभूतपूर्व बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान के मद्देनजर राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग की। भगवंत मान ने इस मुलाकात के बाद कहा कि आज मैंने देश के गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मैंने उन्हें पंजाब में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी, बताया कि 2,300 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। 20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, 3200 स्कूल नष्ट हो गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें मलबे में बदल गई हैं। उन्होंने हमारी बातों को बहुत ध्यान से सुना और कहा कि वे पंजाब के लिए और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

मान ने कहा कि अब तक 13,800 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया है, लेकिन यह बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। हर संकट में पंजाब देश के साथ खड़ा रहा है, अब जब पंजाब पर संकट है, तो देश को भी पंजाब के साथ खड़ा होना चाहिए। इससे पहले भगवंत मान ने दावा किया कि भाजपा ने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रधानमंत्री से मिलते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिलता... आपने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। अगर पंजाब खाद्यान्न देने से इनकार कर दे तो आप क्या करेंगे? एक तरफ तो वे कहते हैं कि पंजाब हमारा अन्न भंडार है, लेकिन जब घाटा होता है, तो कहते हैं कि पैसा नहीं मिलेगा।

बिहार को केंद्र सरकार की सहायता पर टिप्पणी करते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने बिहार की महिलाओं के लिए विशेष रूप से 7,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में महिलाएं संघर्ष कर रही हैं, और उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को उनकी दुर्दशा की कोई परवाह नहीं है।

## राहुल गांधी की केंद्र से अपील: लद्दाख में हिंसा-भय की राजनीति बंद हो, बातचीत से समस्या का हल निकले

**नई दिल्ली, 30 सितम्बर।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से बातचीत करने और हिंसा व भय की राजनीति बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने लेह में हुई हालिया हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा, ₹पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की सिर्फ. इसलिए गोली मारकर जान ले ली, क्योंकि वह लद्दाख और उसके अधिकारों के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आँखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं - क्या आज देश सेवा का यही इनाम है?

राहुल ने निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग को आगे बढ़ाते हुए इस मौत को हत्या बताया और कहा, हमारी माँग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जाँच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख के लोग अपने अधिकारों की माँग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे अपने अधिकारों की माँग कर रहे हैं, बातचीत कर रहे हैं - हिंसा और भय की राजनीति बंद करें।

इससे पहले, 24 सितंबर को लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जब स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई थी। इस झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी। दो दिन बाद, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। लद्दाख के लोग केंद्र शासित प्रदेश को संविधान की अनुसूची श्क में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। संविधान की इस अनुसूची में अनुच्छेद 244(2) और 275(1) शामिल हैं, जिनमें लिखा है, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान।

## कच्छ में सेनाओं का महा-अभ्यास: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे तैयारियों का आकलन

**नई दिल्ली, 30 सितम्बर।** रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1 और 2 अक्टूबर को कच्छ के भुज सैन्य स्टेशन और लक्की नाला सैन्य चौकी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास में भाग ले सकते हैं। यह अभ्यास दक्षिणी कमान मुख्यालय के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सेना मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, दक्षिणी कमान के अधिकारी और वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और सीमा सुरक्षा बल के कर्मी भी इसमें भाग लेंगे।

मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी कमान मुख्यालय के तत्वावधान में 1 और 2 अक्टूबर 2025 को कच्छ के भुज सैन्य स्टेशन और लक्की नाला सैन्य चौकी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की शोभा भारत के माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी बढ़ाएंगे। सेना मुख्यालय के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी और दक्षिणी कमान मुख्यालय के अधिकारी और वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक बल और बीएसएफ के कर्मी इस अभ्यास में भाग लेंगे।

इससे पहले दिन में, राजनाथ सिंह ने साइबर हमलों, सूचना युद्ध और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए भारतीय सेना के लिए अधिक एकीकरण और एक मानकीकृत प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया। नई दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए, सिंह ने इस प्रणाली के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने वर्षों के अनुभव से ऑडिट प्रणालियाँ विकसित की हैं... आज के एकीकृत अभियानों के युग में, यह महत्वपूर्ण है कि ये प्रणालियाँ आपस में निर्बाध रूप से जुड़ी रहें।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

### जाति जनगणना पर सिद्धारमैया का आह्वान, मनुवादी सोच के बहकावे में न आएं नागरिक

**कर्नाटक।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चल रहे सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का विरोध करने वाले भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और उनके रुख को पाखंडी और मनुवादी मानसिकता से प्रेरित बताया। सर्वेक्षण को किसी के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के पक्ष में बताते हुए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण राज्य के सभी सात करोड़ निवासियों को शामिल करता है ताकि समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। सिद्धारमैया ने लिखा कि मनुवाद की विचारधारा यह तय करती है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व एक ही हाथों में केंद्रित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस-1 अक्टूबर, 2025

# वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं



-ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम ह्यसमावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाह्ल है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही ह्लडिजिटल इंडियाह्न और ह्लस्किल इंडियाह्न जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और सेवा भाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

# बिहार में चुनाव के आगाज के साथ दलबदल का दौर जोरो पर



अशोक भाटिया

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच एक बड़ी खबर आई है। बिहार में मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद नई सूची मंगलवार को जारी होने के साथ भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 4 और 5 अक्टूबर 2025 को बिहार का दौरा करने का फैसला किया है। चुनाव आयोग का यह दौरा यह संकेत देता है कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। माना जा रहा है कि 6 अक्टूबर के बाद राज्य में आचार संहिता लागू होने की पूरी संभावना है।

राजनैतिक हलचल बढ़ने के साथ राज्य में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल अपने महागठबंधन या इंडिया ब्लॉक और जनता दल यूनाईटेड अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ आमने-सामने हैं। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों विपक्ष और सत्ता पक्ष के गठबंधनों के बीच होना है। इसके अलावा कई छोटे दल भी चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इन दलों की तादाद बहुत है। प्रमुख पार्टियों समेत करीब 200 छोटे दल यह चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इसके अलावा कम से कम 6 ऐसे दल हैं जो पहली बार बिहार का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इनमें पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवगठित राजनीतिक दल ' जन सुराज पार्टी ' भी शामिल है। इन नए दलों की चुनाव में मौजूदगी का कुछ असर चुनावी नतीजों पर नजर आ सकता है। चुनाव आयोग ने हाल ही में बिहार के 17 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी लिस्ट से हटा दिया, लेकिन अब 6 नए दल चुनाव मैदान में आ चुके हैं। अनुमान है कि बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में 200 से अधिक पार्टियां चुनाव मैदान में होंगी। बिहार में रजिस्टर्ड पार्टियों की तादाद 184 है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में छह राष्ट्रीय दल और चार राज्य स्तरीय पार्टियां थीं। राज्य का चुनाव कुल 212 राजनीतिक पार्टियों ने लड़ा था।

दलों की संख्या बढ़ने के साथ राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि नेता अब रंग बदलने लगे हैं। यानी एक दल से दूसरे दल में जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह परंपरा हर चुनाव में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार पहले से कहीं ज्यादा है। शुरूआत बेगूसराय की राजनीति से। यहां के कद्दावर नेता और मटिहानी के पूर्व विधायक बोगो सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल का दामन थाम लिया है। बोगो सिंह का क्षेत्रीय प्रभाव बड़ा माना जाता है और उनके फ्खऊ में जाने से पार्टी को संगठनात्मक मजबूती मिलेगी। बोगो सिंह ने साल 2005 में हुए दोनों विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीतकर राजनीतिक हलचल मचाई थी। इसके बाद वे जदयू से 2010 और 2015 में विजयी हुए। 2020 में लोजपा के राजकुमार सिंह से उन्हें नजदीकी हार मिली। लेकिन अब राजकुमार सिंह जदयू में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में इस बार चुनाव से पहले बोगो सिंह राजद में शामिल हो चुके हैं। मतलब साफ है कि मटिहानी में बोगो सिंह आरजेडी से चुनावी मैदान में उतरेंगे।

बोगो सिंह के अलावा भी तेजस्वी यादव के साथ भाजपा के कई पूर्व विधायकों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जिसमें कैमूर के चैनपुर के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री बृज किशोर बिन्द और मोहनियां के पूर्व विधायक निरंजन राम हैं। इन दोनों ने भी भाजपा को अलविदा कहकर तेजस्वी के नेतृत्व में आरजेडी का दामन थाम लिया है। हाल के दिनों में अन्य पार्टियों से पाला बदलने वाले नेताओं की लिस्ट देखें तो डॉ . अच्युतानंद ने 30 जून को लोजपा (रामविलास) से इस्तीफा देकर कांग्रेस जॉइन कर लिया। वह महनार से चुनाव लड़ना चाहते हैं और उन्हें आशंका थी कि राम सिंह की मौजूदगी में उन्हें टिकट नहीं मिलेगा।डॉ रेणु कुशवाहा, पूर्व मंत्री, पहले जदयू, फिर भाजपा और लोजपा में रहीं। अब वे राजद के साथ हैं, जहां उन्हें उम्मीद है कि नई राजनीति में उन्हें जगह मिलेगी। रामचंद्र सदा, जो 2010 में विधायक थे, टिकट कटने के बाद लोजपा चले गए थे। अब फिर जदयू में वापस लौट आए हैं।विनोद कुमार सिंह, जदयू एमएलसी रह चुके नेता, अब कांग्रेस के टिकट पर फुलपरास से चुनाव लड़ना चाहते हैं।डॉ अशोक राम, कांग्रेस से छह बार विधायक और पूर्व मंत्री, अब जदयू में। हालांकि वह जिस सीट (कुशेश्वरस्थान) से लड़ना चाहते हैं, वह पहले से जदयू के कब्जे में है।डॉ रविंद्र चरण यादव, पूर्व मंत्री, 4 अगस्त को भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नेताओं का दल बदलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन इसमें एक फर्क है जो नेता भाजपा की विचारधारा और उनकी सांस्कृतिक सोच से ताल्लुक रखते हैं, वे वहीं जाएंगे। जबकि सामाजिक न्याय और समता की विचारधारा वाले लोग राजद और महागठबंधन से जुड़ेंगे। तेजस्वी का कहना है कि नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जदयू अब ढलान पर है और आने वाले दिनों में उसका खात्मा तय है।तेजस्वी का यह बयान सिर्फ एक टिप्पणी नहीं बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। वे लगातार इस नैरेटिव को मजबूत करने में लगे हैं कि नीतीश कुमार अब जनता के बीच भरोसे की राजनीति नहीं बचा पाएंगे।

जदयू की ओर से प्रवक्ता अभिषेक झा ने इस पूरे घटनाक्रम पर पलटवार करते हुए कहा कि किसी के आने या जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ता। चुनाव के पहले यह सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने दावा किया कि जनता दल यूनाइटेड का संगठन मजबूत है और जनता नीतीश कुमार पर भरोसा करती है।जदयू की यह प्रतिक्रिया उस दबाव को कम करने की कोशिश लगती है, जो नेताओं के पलायन से पैदा हो रहा है। पर सवाल यह है कि क्या वाकई नेताओं का जाना सिर्फ प्राकृतिक प्रक्रिया है या यह अंदरूनी असंतोष का नतीजा है?

भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग, जिनका पार्टी में कोई खास काम नहीं है, वही दूसरी पार्टी का दामन थामते हैं। भाजपा का संगठन इतना बड़ा और मजबूत है कि कुछ नेताओं के जाने से पार्टी या चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।भाजपा की रणनीति साफ दिखती है। वह इस मुद्दे को हल्का करने की कोशिश कर रही है ताकि कार्यकर्ताओं में कोई नकारात्मक संदेश न जाए।

कांग्रेस प्रवक्ता स्नेहाशीष वर्धन ने इस घटनाक्रम को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी तो शुरूआत है, आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष से कई बड़े नेता महागठबंधन में शामिल होंगे। उनका कहना है कि क्योंकि सत्ता पक्ष को साफ दिख रहा है कि महागठबंधन की सरकार बनने वाली है, इसलिए वे धीरे-धीरे इधर का रुख करेंगे।कांग्रेस का यह बयान महागठबंधन की ओर आत्मविश्वास को दर्शाता है। साथ ही, यह जनता के बीच यह संदेश देने की भी कोशिश है कि सत्ता बदलना अब तय है।

देखा जाय तो बिहार की राजनीति में दल बदलने का सिलसिला नया नहीं है। हर चुनाव में ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जब नेता पाला बदलकर दूसरे खेमे में चले जाते हैं। इसके पीछे कई वजहें होती हैं जैसे 1. टिकट की गारंटीः जिन नेताओं को अपनी पार्टी से टिकट मिलने की संभावना कम लगती है, वे विपक्षी खेमे में जाकर बेहतर मौका तलाशते हैं।2. सत्ता समीकरणः चुनाव से पहले हवा किस तरफ बह रही है, इसका आकलन हर नेता करता है। जहां सत्ता की संभावना ज्यादा लगती है, वहां जाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। 3 .असंतोष और उपेक्षाः कई बार नेता अपनी पार्टी की नीतियों या नेतृत्व से असंतुष्ट होते हैं। ऐसे में वे दूसरी पार्टी में सम्मान और भूमिका तलाशते हैं।4। क्षेत्रीय समीकरणः बिहार की राजनीति में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण अहम भूमिका निभाते हैं। नेता अक्सर इस आधार पर दल बदलते हैं।

अब बड़ा सवाल यह है कि नेताओं के इस दलबदल के खेल से फायदा किसे होगा और नुकसान किसे। राजद और महागठबंधन को इसका सीधा फायदा होता दिख रहा है। क्योंकि जो नेता सत्तारूढ़ दल से निकलकर आ रहे हैं, वे एक राजनीतिक संदेश दे रहे हैं कि सत्ता पक्ष में विश्वास कम हो रहा है।बताया जाता है कि जदयू और भाजपा को नुकसान हो सकता है, खासकर वहां जहां से उनके स्थानीय नेता विपक्ष में चले जाते हैं। इससे जमीनी स्तर पर संगठन कमजोर पड़ सकता है।कांग्रेस को उम्मीद है कि जैसे-जैसे और नेता शामिल होंगे, उसकी ताकत बढ़ेगी और उसे विधानसभा चुनाव में पहले से बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा।

आम मतदाता अक्सर इस तरह के घटनाक्रम को संदेह की नजर से देखता है। जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि नेता विचारधारा से ज्यादा सत्ता की राजनीति से प्रेरित होते हैं। हालांकि, अगर बड़े और प्रभावशाली नेता दल बदलते हैं, तो उसका असर स्थानीय स्तर पर वोटों के ट्रांसफर में दिख सकता है। फिलहाल बिहार की राजनीति में माहौल गर्म है। एक ओर सत्ता पक्ष दल बदल को स्वाभाविक बता रहा है, वहीं विपक्ष इसे जमीन बदलने वाली राजनीति करार देकर माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन बड़ा सवाल अभी भी वही है किसके पाले में कितना फायदा और किसके पाले में कितना नुकसान होगा? इसका जवाब जनता होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में देगी। तब तक राजनीतिक गलियारों में रंग बदलने का यह खेल और तेज होने वाला है।

# अपनों का साथ और सरकार के संबल से संवरते वरिष्ठ नागरिक



-विवेक रंजन श्रीवास्तव

एक अक्टूबर को पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में मनाती है। यह परंपरा सन 1990 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्रारंभ की थी। दुनिया के हर समाज में बुजुर्गों ने परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में अपना जीवन लगाया है, इसलिए उनके सम्मान और समस्याओं पर चिंतन करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

बुजुर्ग वे दीपक हैं जो स्वयं जलकर परिवार और समाज को रोशनी देते हैं। हम सब जिस आराम और सुविधा का अनुभव करते हैं, उसके पीछे किसी न किसी बुजुर्ग की मेहनत, त्याग और दूरदृष्टि जुड़ी है। बुजुर्गों ने वह लांचिंग पैड तैयार किया है, जिस पर परिवार का रॉकेट लांच किया जाता है।

जीवन के उत्तरार्ध में उनके सामने कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। पहली चुनौती स्वास्थ्य की होती है। उम्र बढ़ने के साथ डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हड्डियों का दर्द, आंख और कान की कमजोरी जैसी बीमारियां हो जाती हैं। डॉक्टरों के चक्कर, दवाइयों का बोझ और अस्पतालों की दूरी उन्हें शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रुप से थका देती है। दूसरी बड़ी समस्या अकेलेपन की है। आजकल के परिवार छोटे होते जा रहे हैं, बच्चे नौकरी और पढ़ाई के सिलसिले में दूर चले जाते हैं, और बुजुर्ग अपने ही घर में चुपचाप अकेले बैठ जाते हैं। यह अकेलापन कभी-कभी किसी भी बीमारी से ज्यादा भारी पड़ता है। तीसरी समस्या आर्थिक असुरक्षा है। जिनके पास पेंशन या बचत नहीं है, वे अपने रोजमर्रा के खर्च पूरे करने में भी परेशान हो जाते हैं। कभी-कभी संपत्ति विवाद और घर के भीतर उपेक्षा उनकी पीड़ा को और गहरा बना देती है।

लेकिन समाधान भी हमारे पास हैं। हमें यह समझना होगा कि बुजुर्गों की बेहतरी हेतु सरकार और समाज, दोनों को अपनी भूमिका निभानी होगी। परिवार के युवा यदि रोज दस मिनट भी अपने दादा-दादी या नाना-नानी से हंसी-ठिठोली कर लें, तो यह उनके लिए किसी दवा से कम नहीं होगा। मोहल्ले और समाज में वरिष्ठ नागरिक क्लब, टहलने वाले समूह, भजन मंडल, पुस्तक चर्चा जैसी गतिविधियां उन्हें सामाजिक संबल और उत्साह देती हैं। हमारी सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई योजनाएं चला रही है। रेल और बस यात्रा में रियायत, आयकर में छूट, पेंशन योजनाएं, आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य सुरक्षा, 1800-180-1253 , हेल्पलाइन नंबर और वृद्धाश्रम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी बुजुर्गों के प्रति काफी संवेदनशील हैं। पिछले वर्ष की दीपावली उन्होंने आनंदधाम के बुजुर्गों के साथ मनायी थी। सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृद्धाश्रमों में रह रहे बुजुर्गों के लिए उन्होंने शासकीय अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर पलंग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सत्तर वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बन जाने से अब वे भी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में अपना उपचार करा पा रहे हैं।

समस्या यह है कि हर बुजुर्ग तक इन योजनाओं की जानकारी नहीं पहुंच पाती। इस दिशा में मध्यप्रदेश की सरकार तो प्रयास कर ही रही है, साथ ही यदि स्वयंसेवी संगठन और युवा मिलकर जागरूकता फैलाएं तो स्थिति बदल सकती है। विज्ञापन जगत भी बुजुर्गों की छवि को रोचक ढंग से प्रस्तुत कर रहा है। अनेक प्रॉडक्ट अपने प्रचार में बुजुर्ग दंपतियों की मुस्कुराती तस्वीरें दिखाते हैं। संदेश साफ है कि जीवन का असली स्वाद अनुभव और अपनत्व से आता है। चाय की प्याली में जब अनुभव का रस घुलता है, तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। यह केवल मार्केटिंग नहीं है, यह एक संदेश है कि बुजुर्ग हमारे जीवन की ऊर्जा और प्रेरणा के स्रोत हैं।

वरिष्ठ नागरिक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि आज हम जो अपने बुजुर्गों के साथ करेंगे, कल वही व्यवहार हमें भी मिलेगा। यह केवल बुजुर्गों का सम्मान करने का दिन नहीं, बल्कि अपने भविष्य को बेहतर बनाने का भी अवसर है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बुजुर्ग बोझ नहीं, बल्कि घर और समाज की कीमती पूंजी हैं। सबको संकल्प लेना चाहिए कि हर बुजुर्ग का सम्मान करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे, उनके अनुभवों का लाभ लेंगे और सबसे बढ़कर उनकी मुस्कान को बनाए रखेंगे। उनके आशीर्वाद से ही हमारा जीवन सार्थक है।

# कोटा पहुंचा विश्व का सबसे ऊँचा चलायमान रावण



- निर्मल रानी

विजय दशमी के दिन पूरे देश में विशेषकर उत्तर भारत में दशहरे के अवसर पर रावण,कुम्भकरण व मेघनाथ के पुतलों को फूँक कर बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर देश भर में रावण के तरह तरह के पुतले व पुतला निर्माण क्षेत्र में प्रशिक्षित कारीगरों द्वारा निर्मित किये जाते हैं। देश भर में रावण के इन पुतलों की ऊंचाई प्रायः 40 -50 व 60 फिट से लेकर अधिकतम 70 व 80 फुट तक ही होती है। ऐसा ही एक पुतला 1987 में हरियाणा के बराड़ा कस्बे में 1987 में बनना शुरू हुआ था जिसकी ऊंचाई थी मात्र 20 फुट। इसी रावण पुतले के साथ ही श्री राम लीला क्लब बराड़ा के नाम से एक समाजसेवी संस्था भी गठित की गयी। इन सब के सूत्रधार व संस्थापक हैं राणा तेजिंदर सिंह चौहान।

1987 में रावण का पहला पुतला बनाने की शुरूआत करने के साथ ही तेजिंदर चौहान ने यह भी महसूस किया कि चूँकि समाज में बुराई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसलिये क्यों न बुराई के प्रतीक इस रावण के पुतले की ऊंचाई भी प्रत्येक वर्ष बढ़ा दी जाया करे ? इन्हीं विचारों के साथ सन 2000 आते आते रावण के इस पुतले ने 100 फुट की ऊंचाई धारण कर ली और 'बराड़ा का रावण ' के नाम से प्रसिद्ध हो गया। साथ ही यह पुतला लाखों की संख्या में दर्शक व राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करने लगा। रावण के इस विशाल पुतले व इसकी आकर्षक कलाकृति को जनता से मिलने वाले भरपूर प्यार व समर्थन ने क्लब संस्थापक व पुतला निमार्ता तेजिंदर चौहान की और अधिक हौसला अफजाई की। और फिर रावण के पुतले की ऊंचाई 100 फुट से भी आगे बढ़ने लगी। रावण की ऊंचाई बढ़ने के साथ ही इसमें लगने वाली सामग्री भी पुतले के अनुसार इस्तेमाल की जाने लगी। उदाहरण के तौर पर रावण के जो छोटे पुतले केवल बांस को आधार बनाकर बन जाते थे परन्तु लंबाई बढ़ते ही उसमें लोहे व स्टील का आधार बनना उसकी जरुरत बन गयी। रावण का चेहरा बांस व कागज के बजाये फाइबर का बनने लगा। रावण के पुतले की ऊंचाई उसका आकर्षण देख उसकी पोशाक भी कीमती से कीमती होने लगी।

उसकी सुंदरता को रात के समय निखारने के लिये उसमें चेहरे,मुकुट ध्वज आदि में जगह जगह एल ई डी का प्रयोग किया जाने लगा। तलवार,ढाल जूता,मुकुट आदि सभी पुतले के अंग लोहे की छड़ों व एंगिल पर ही आधारित होने लगे। और 2012 आते आते जब रावण निर्माण व श्री राम लीला क्लब बराड़ा की स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो गये तो इसी अवसर पर जनता की मांग पर 5 दिन तक रावण का पुतला खड़ा रखने के मकसद से 'बराड़ा महोत्सव ' का आयोजन किया जाने लगा। भारत वर्ष में अपने आप में यह इकलौता व बेहद अनूठा आयोजन था जिसमें 5 दिनों तक विश्व के सबसे ऊँचे रावण के पुतले के सामने दिन भर मेला लगा करता था और शाम के समय हास्य कवि सम्मेलन, गीत संगीत,कव्वाली व पूर्वोत्तर क्षेत्र कला संस्कृति के अनेक आयोजन हुआ करते थे। 2012 में ही 75 फुट के इस रावण के पुतले को पहली बार लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में विश्व के सबसे ऊँचे रावण के पुतले होने का प्रमाण पत्र हासिल हुआ।

परन्तु तेजिंदर चौहान का जूनून यहाँ भी खत्म नहीं हुआ। वे अभी भी पुतले की ऊंचाई में प्रत्येक वर्ष इजाफा करते रहे और धीरे धीरे उन्होंने बराड़ा में ही इस की ऊंचाई 225 फुट तक पहुंचा दी। अब वे हर साल अपने ही पिछले रिकार्ड को तोड़ते रहे। नतीजतन लिम्का बुक ने ही तेजिंदर चौहान को पांच बार लिम्का रिकार्ड से नवाजा। हाँ इतना जरूर है कि तेजिंदर चौहान के इस जूनून व लग्न के चलते उन्हें भारी आर्थिक नुक़्सान उठाना पड़ा। उन्हें अपनी जमीन भी बेचनी पड़ी। इसकी मुख्य वजह यह थी कि मंहगाई के दौर में बनने वाले इस विशाल पुतले के निर्माण पर होने वाला लाखों का खर्च तथा बराड़ा महोत्सव पर होने वाले पूरे खर्च जनता के सहयोग के बावजूद पूरे नहीं हो पाते थे लिहाजा हर नुक़्सान की आर्थिक भरपाई चौहान को ही करनी पड़ती।

रहा सवाल सरकार का तो इसके केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री,राजयपाल मुख्यमंत्री विधायक गण तो प्रायः जनता के सामने अपना चेहरा चमकाने भर की तो दिलचस्पी जरूर रखते थे परन्तु आज तक हरियाणा सरकार ने इस अद्भुत कलाकृति को कोई आर्थिक सहयोग व संरक्षण नहीं दिया। हद तो यह है कि कई बार दर्शकों की बढ़ती भीड़ के मद्देनजर सरकार से दशहरा ग्राउंड हेतु बराड़ा में उपयुक्त मैदान भी माँगा गया। परन्तु सरकार ने कभी न सुनी। आखिरकार कोरोना काल आगया। साथ ही बराड़ा के उस निजी मैदान में कॉलोनी बन गयी जिसमें बराड़ा महोत्सव मनाया जाता था। परन्तु तब तक तेजिंदर चौहान की शोहरत मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से देश और दुनिया भर में हो चुकी थी। उसी के बाद बराड़ा का रावण चलायमान हो गया।

सर्वप्रथम बराड़ा के बाहर 200 फुट का यह पुतला पंचकूला में दो वर्षों तक स्थापित किया गया। उसके बाद चंडीगढ़ के धनास मैदान में 215 फुट का पुतला बनाया गया। इसके बाद देहरादून में 210 फुट का पुतला बना। हर जगह मुख्यमंत्री या राज्यपाल इन पुतलों का रिमोट से दहन करते। गत वर्ष यह पुतला दिल्ली के द्वारका में अपनी छाप छोड़ कर आया। यहाँ पूर्व राष्ट्रपति श्री राम कोविंद ने इसे अग्नि की भेंट किया। और इस बार यह रावण का पुतला राजस्थान के कोटा में अपनी धूम मचा रहा है। कोटा के लोग इस रावण के पुतले व इसे बनाने वाले तेजिंदर चौहान व उनके सभी सहयोगियों को भरपूर इज्जत व स्नेह प्रदान कर रहे हैं। खबरों के अनुसार कोटा में बने 215 फीट ऊँचे रावण के इस पुतले का दहन भी रिमोट कंट्रोल से किया जायेगा। रिमोट में 20 धमाके वाले प्वाइंट निर्धारित किये गए हैं। लगभग 1000 फीट लंबी एलईडी लाइट से सुसज्जित मुकुट व छत्र वाले इस पुतले की पोषक में 4 हजार मीटर वेलवेट का कपड़ा लगाया गया है। इसका फाइबर से निर्मित चेहरा 25 फीट का है। इनमें करीब 10 टन स्टील का उपयोग किया गया है। 24 फुट के 1500 बांस इस्तेमाल हुये इस विशाल पुतले में करीब 2 क्विंटल रस्सी का भी उपयोग हुआ है।

राजस्थान के कोटा में दशहरे पर दहन होने वाले इस रावण के पुतले की मेजबानी के लिये जहाँ रावण के निर्माण से जुड़ा कोटा का प्रशासन बधाई के पात्र है वहीं हरियाणा सरकार भी इस आरोप से कभी भी मुक्त नहीं हो सकती कि वह अपने प्रदेश में निर्मित होने वाली इस विशाल कलाकृति को न तो जमीन उपलब्ध कराकर इस अद्भुत कलाकृति व बराड़ा महोत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन को बराड़ा अथवा हरियाणा में रोक सकी न ही किसी तरह का आर्थिक सहयोग देकर राज्य में ही अन्यत्र इसका निर्माण करा सकी। यही वजह है कि विश्व का सबसे ऊँचा रावण का यह अद्भुत विशाल व आकर्षक पुतला चलायमान होकर राजस्थान के कोटा पहुँच गया। वहाँ भी यह पुतला यही सन्देश देगा कि बुराई चाहे जितनी बड़ी,ऊँची व सुन्दर क्यों न हो जाये परन्तु अन्तोगत्वा उसका हश्र वही होगा जो रावण के इस विशाल पुतले का हुआ है।

## विजयादशमी पर देवी दुर्गा ने किया था महिषासुर का नाश

विजयादशमी केवल त्यौहार नहीं, बल्कि धर्म और आदर्श जीवन का प्रतीक है। देवी दुर्गा की कथा हमें सिखाती है कि धैर्य, तप, साधना और न्याय के मार्ग पर चलकर कोई भी बुराई नष्ट की जा सकती है। यह दिन शक्तिशाली निर्णय, सकारात्मकता और शिक्षा की प्राप्ति का प्रतीक है। घर, मंदिर और समाज में इसे पूजा, हवन और लोककला के माध्यम से मनाया जाता है।

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, महिषासुर एक असुर था जो अपने अत्याचार और शक्ति के लिए प्रसिद्ध था। उसने देवताओं को परेशान कर दिया और स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। अपने शक्ति-संयम और तपस्या से उसने देवताओं को चुनौती दी। देवताओं ने भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश से प्रार्थना की कि कोई असुरों का संहार करे। सभी देवताओं ने मिलकर महाशक्ति देवी दुर्गा का आविर्भाव किया। देवी दुर्गा को अत्याचार और अधर्म का नाश करने के लिए उत्पन्न किया गया। उनके हाथों में त्रिशूल, खड्ग, गदा और धनुष थे। उनका वाहन शेर (सिंह) था, जो साहस और शक्ति का प्रतीक है। देवी दुर्गा ने महिषासुर का सामना करने से पहले नौ दिनों तक तप, साधना और युद्ध की तैयारी की। यह नौ दिन का युद्ध नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। हर दिन देवी ने महिषासुर के विभिन्न रूपों का संहार किया। नवरात्रि के दौरान, हर स्वरूप का दर्शन और पूजा भक्तों के लिए शक्ति और साहस का प्रतीक है।

दसवें दिन, देवी दुर्गा ने महिषासुर का नाश कर दिया। यह दिन विजयादशमी या दशहरा के रूप में मनाया जाता है। विजयादशमी का संदेश है अधर्म पर धर्म की जीत, अज्ञान पर ज्ञान की विजय और बुराई पर अच्छाई की सफलता।

विजयादशमी केवल युद्ध की स्मृति नहीं है, यह सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक शिक्षा भी देती हैं। इस दिन से नए कार्य आरंभ करना शुभ माना जाता है। विद्यालय, कार्यालय और घर में सर्वप्रथम देवी पूजा और शुभ मुहूर्त में प्रारंभ करने की परंपरा है। रामलीला और महिषासुर मर्दिनी मंचन झ लोक कला और धर्म का मिश्रण।

## पंडित गायत्री प्रसाद उपाध्याय को मिला उत्तर प्रदेश रत्न सम्मान

**मुंबई(उत्तरशक्ति)।** राजधानी लखनऊ स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल, गोमती नगर में इंटेलेक्चुअल्स द्वारा आयोजित भव्य समारोह में शिक्षा, साहित्य, कला, संस्कृति, चिकित्सा, राजनीति, प्रशासन व सामाजिक कार्यों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को ह्यउत्तर प्रदेश रत्न सम्मानह्ल से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर पंडित गायत्री प्रसाद उपाध्याय को आदिवासी संरक्षण क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उपाध्याय वर्तमान में भारत सरकार की रेस रिलेशन समिति के सदस्य हैं और वर्षों से समाजसेवा व आदिवासी कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके इस सम्मान से आदर्श उपाध्याय परिवार का गौरव और बढ़ गया है। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश शर्मा (पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद), प्रो. मानुका खन्ना (कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय), डॉ. रेनू सिंह (प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश), प्रो. अमिता पाण्डेय (जानी-मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू), प्रो. आर.के. मित्तल (कुलपति, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय), सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश कुमार शर्मा सहित कुल 15 विशिष्ट हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. (डॉ.) अशोक दुबे ने किया।

## पालघर जिले में पंचायत समिति सभापति पदों के आरक्षित सीटें हुई घोषित

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिला परिषद के अधीन आने वाली सभी पंचायत समितियों के सभापति पदों का आरक्षण शासन के नियम और प्रावधानों के अनुसार तय कर आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया गया है। जारी आरक्षण सूची के अनुसार पालघर पंचायत समिति का सभापति पद अन्य पिछड़ा प्रवर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। वहीं वसई, मोखाडा, डहाणू और विक्रमगड पंचायत समितियों के सभापति पद अनुसूचित जनजाति महिला वर्ग के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा तलासरी, जव्हार और वाडा पंचायत समितियों के सभापति पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए निश्चित किए गए हैं। इस आरक्षण प्रक्रिया के बाद जिले की सभी पंचायत समितियों के सभापति पदों की श्रेणी तय हो गई है। आगामी चुनाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की जायेंगी। सभापति पद ग्राम स्तर पर विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं और स्थानीय प्रशासन को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशासन का मानना है कि इस आरक्षण व्यवस्था से स्थानीय स्तर पर शासन और प्रशासन अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से कार्य कर पायेगा।

## महाराष्ट्र : अदालत ने आदिवासी व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार के आरोपी व्यवसायी को बरी किया

**ठाणे।** ठाणे जिले की एक अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों में पर्याप्त समन्वय के अभाव का हवाला देते हुए, 2018 में एक आदिवासी व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोपी एक व्यवसायी को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए एस भागवत ने 26 सितंबर के अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष अपने मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। आदेश की एक प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के व्यवसायी जयेश रमेश भोईर (39) पर 28 जनवरी 2018 को यहां भूमि स्वामित्व को लेकर हुए विवाद के दौरान वारली आदिवासी समुदाय के सदस्य राजू बुधिया तुम्बाडा को गाली देने और धमकी देने का आरोप लगाया गया था।

इस मामले में शिकायतकर्ता तुम्बाडा ने आरोप लगाया कि भोईर ने एक मजदूर की मदद से सीमेंट के खंभे लगाकर उनकी कृषि भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत कासरवडवाली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जब शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी ने विरोध किया तो भोईर ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्द कहे। अभियोजन पक्ष ने शिकायतकर्ता, उसकी पत्नी, दो पंचों, प्रत्यक्षदर्शियों और जांच अधिकारियों सहित नौ गवाहों से पूछताछ की। जाति प्रमाणपत्र, दीवानी वाद और पंचनामा जैसे कई दस्तावेजी साक्ष्य भी अभिलेख में प्रस्तुत किए गए। न्यायाधीश भागवत ने साक्ष्यों की समीक्षा के बाद अभियोजन पक्ष के मामले में कई कमियों और विरोधाभासों की ओर इशारा किया।अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष के गवाह ने कथित घटना के दो दिन बाद शिकायत दर्ज कराई थी। दो दिन की देरी का कारण प्राथमिकी या किसी अन्य दस्तावेज में नहीं बताया गया है। इसलिए, स्थापित कानूनी स्थिति के अनुसार, प्राथमिकी को संदिग्ध दृष्टि से देखा जाना चाहिए। साथ ही अदालत ने कहा अभियोजन पक्ष के गवाह ने घटना की तारीख से पहले से ही भूमि विवाद को लेकर अभियुक्तों के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों की बात स्वीकार की है। गवाह ने यह भी स्वीकार किया है कि उक्त भूमि विवाद को लेकर दीवानी अदालत में कई मुकदमे लंबित हैं। इसलिए, गवाह द्वारा अभियुक्तों को झूठे आरोप में फंसाने की स्पष्ट संभावना है।अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह के साक्ष्य की कोई ठोस पुष्टि नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि स्वतंत्र चश्मदीद गवाहों ने अभियोजन पक्ष के मामले का बिल्कुल भी समर्थन नहीं किया है और अपने बयानों से पलट गए हैं। अदालत ने आरोपी को बरी करते हुए कहा कि मामले की जांच ह्यत्रुटिपूर्ण है और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है।

# विकास योजना में भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जाएगीः अबू आसिम आजमी

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी ने मनपा आयुक्त को ज्ञापन देते हुये मांग की है कि भिवंडी मनपा की नई विकास योजना के अनुसार शहर के कल्याण रोड स्थित हजारों आवासीय मकान, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, मंदिर और मस्जिद प्रभावित हो रहे हैं इसलिए सड़क विस्तारीकरण के लिए कल्याण रोड पर तोडक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। अबू आसिम आजमी ने बताया कि इस सड़क पर प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए मेट्रो को भूमिगत करने का निर्णय लिया गया है। कल्याण रोड के नागरिकों का प्रश्न है कि सड़क

चौड़ीकरण के नाम पर उनके साथ अन्याय क्यों किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि वे इस मामले को लेकर सरकार से बात करेंगे। कल्याण रोड पर हजारों परिवार के दुकानदार रहते हैं और इस रोड पर पहले ही दो बार सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित हो चुके हैं। नागरिकों में रोष की भावना है क्योंकि सड़क चौड़ीकरण के कारण मंदिर और मस्जिद,मजार, डा. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक आदि प्रभावित हो रहे हैं और यह देश सभी धर्मों की समानता में विश्वास करता है इसलिए अबू आजमी ने मांग की है कि मनपा आयुक्त दस दिनों के भीतर इस सवाल का जवाब दें जिससे सभी को न्याय मिल सके। इसी के साथ उन्होंने कहा कि रोड पर कई आरक्षित जगहों से आरक्षण हटा दिया गया है। जिसमें कुछ दलालों ने तत्कालीन प्रशासकों की मदद से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है उनके खिलाफ जल्द ही मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस व उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिकायत करेंगे ।

उक्त अवसर पर सपा नेता अजय यादव, अरफात शेख, अनस अंसारी, कल्याण रोड व्यापारी निवासी संघर्ष समिति के शादाब उस्मानी, राम लहारे, दीन मोहम्मद, महमूद मोमिन, यूसुफ सोलापुरकर, राकेश पाल, तस्लीम भाई, नईम भाई आदि लोग उपस्थित थे।

## कमलादेवी महाविद्यालय द्वारा भव्य आरोग्य शिविर का आयोजन

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कमालदेवी शिक्षण संस्था द्वारा संचालित कमलादेवी महाविद्यालय के एनएसएस यूनिट और मनपा अस्पताल, उल्हासनगर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों को विविध प्रकार के मुफ्त इलाज एवं जांचों का लाभ मिला। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवक महेश गायकवाड़ और प्रकाश तरे ,विश्वनाथ दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिम्मी सिंह ने किया। संस्था के अध्यक्ष सदानंद तिवारी सर ने शिविर में मौजूद छात्रों, अभिभावकों और अन्य नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस भव्य आरोग्य शिविर का लाभ केवल महाविद्यालय के छात्रों को ही नहीं, बल्कि कनिष्ठ महाविद्यालय, कमलादेवी पब्लिक स्कूल के छात्रों और अभिभावकों तथा परिसर के सभी नागरिकों को भी मिला, जिससे यह एक जनोपयोगी कार्यक्रम सिद्ध हुआ।

## भिवंडी मनपा द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों का बिदाई समारोह संपन्न

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी मनपा में कार्यरत निर्धारित आयु सीमा के अनुसार 4 कर्मचारियों के मनपा सेवा से सेवानिवृत्त होने पर मनपा प्रशासक और आयुक्त अनमोल सागर द्वारा दिए गए निदेशानुसार मनपा ने विदाई कार्यक्रम आयोजित कर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल पुष्पगुच्छ देकर दी गयी विदाई। इस अवसर पर सहायक आयुक्त (आरोग्य) शैलेश डोंडे ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल और गुलदस्ते से सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये। बतादें कि महानगरपालिका के नए प्रशासनिक भवन की तीसरी मंजिल पर आयुक्त के हाल में आयोजित विदाई समारोह में सेवानिवृत्त अश्विनी अनिल पांडव (क्लर्क टेलीफोन आपरेटर) , संतोष कृष्णा भोईर (क्लर्क) , विजय पुंडलिक पवार (विद्युत विभाग हेल्पर), प्रल्हाद सीताराम भगत (सहायक कामगार) आदि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मनपा की तरफ से विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाईक, मनपा जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी के साथ मनपा अधिकारी/कर्मचारी, सभी कामगार यूनियन के प्रतिनिधि, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन आदि उपस्थित थे।

# पालघर जिले के 48 विशेष शिक्षको को मिली स्थायी नियुक्त

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा को सातत्यपूर्ण बनाने के उद्देश्य से पालघर जिले में कार्यरत 48 विशेष शिक्षकों को अब स्थायी पदों पर नियुक्त किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका क्रमांक 132/2016 के निदेर्शों तथा शालेय शिक्षा व क्रीड़ा विभाग द्वारा 8 अक्टूबर 2024 को जारी शासन निर्णय के आधार पर यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों मंगलवार 30 सितंबर 2025 को इन विशेष शिक्षकों को स्थायी नियुक्ति आदेश सौंपे गये। इसमें पालघर जिला परिषद क्षेत्र के 40, बृहन्मुंबई महानगरपालिका अंतर्गत 7 तथा विभागीय शिक्षा उपसंचालक, मुंबई कार्यालय अंतर्गत 1 शिक्षक शामिल हैं। ज्ञात

हो कि सन 2004 से ह्यसमग्र शिक्षा अभियानह्ल के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा कार्यक्रम लागू है। इन बच्चों की शैक्षणिक, चिकित्सा और सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विशेष शिक्षकों की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की गई थी। आरंभ में मानधन पर कार्यरत ये शिक्षक अब शासन निर्णयानुसार स्थायी पदों पर कार्य करेंगे। जिले के आठ तहसीलों के 150 केंद्र विद्यालयों में से 48 केंद्र विद्यालयों पर विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इससे दिव्यांग छात्रों को लगातार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी और समावेशी शिक्षा अभियान को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने सभी विशेष शिक्षकों का अभिनंदन करते हुए भविष्य के कार्य हेतु शुभकामनाएँ दीं। इस मौके पर बोलते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि विशेष जरूरत वाले विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समावेशी शिक्षा उपक्रम अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विशेष शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति से इस उपक्रम को नया बल मिलेगा। इससे जिले का शैक्षणिक क्षेत्र और अधिक सशक्त व सर्वसमावेशक बनेगा। मुझे विश्वास है कि विशेष शिक्षक अपनी जिम्मेदारी निष्ठा, संवेदनशीलता और आत्मीयता से निभाएँगे।

## चेंबूर के डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन का नाम स्वतंत्रता सेनानी एन. जी. आचार्य के नाम पर रखा गया

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** चेंबूर के डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन का नाम स्वतंत्रता सेनानी एन.जी. आचार्य के नाम पर किए जाने मांग यहां के सर्वदलीय नेताओं ने की थी । आखिर में एम एम आर डी ए की ओर से मेट्रो 2बी चेंबूर के डायमंड गार्डन स्टेशन का नाम स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय नारायण गजानन आचार्य के नाम पर रखा गया। बता दें कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा एक दिवसीय सांकेतिक आंदोलन भी किया गया था। युवा समाजसेवक राजेंद्र नगराले द्वारा चलाए गए इस आंदोलन का यह असर हुआ कि प्रशासन की ओर से आखिर में चेंबूर के डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन का नाम देशभक्त एन जी

आचार्य के नाम पर किया गया।

ज्ञात हो कि इसके लिए हस्ताक्षर अभियान के साथ साथ सांकेतिक आंदोलन भी किया गया था। अंत में, एमएमआरडीए ने चेंबूरकरों की मांग स्वीकार करते हुए मेट्रो स्टेशन पर स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय नारायण गजानन आचार्य के नाम पर पट्टिका लगा दी। बताया जाता है कि चेंबूर मेट्रो 2बी और मंडाले का सफल ट्रायल पूरा हो चुका है और आने वाले दिनों में इस स्टेशन के बीच मेट्रो चलेगी।

## 27 गाँवों के 499 कर्मचारियों को मिला नियुक्ति पत्र

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** नवरात्रि के पावन अवसर पर कल्याण ग्रामीण के श्रमिकों के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन बन गया। कल्याण ग्रामीण के 27 गाँवों के 499 कर्मचारियों को अंततः नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कई वर्षों से लंबित यह मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के अथक प्रयासों से सुलझ गया। इस ऐतिहासिक क्षण पर, सभी श्रमिक वर्ग और उनके परिवारों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में आयोजित इस कार्यक्रम में आज आयुक्त अभिनव गोयल, उपायुक्त हर्षल गायकवाड़ द्वारा श्रमिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर महेश पाटिल, (तालुका प्रमुख), गजानन पाटिल (उप-तालुका प्रमुख), विष्णु गायकवाड़, महेश गायकवाड़, गुलाब वझे, दत्ता वझे, जलिंदर पाटिल, मोरेश्वर भोईर,कैलास शिंदे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे और कार्यक्रम को बधाई दी। नवरात्रि के पावन अवसर पर नियुक्ति पत्रों का यह वितरण श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए खुशी की बात है।

## शुक्रवार को धारावी के स्कूल में अमेरिकी हाथी

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** धारावी के दो स्कूलों में विद्यार्थियों से मिलने के लिए अमेरिका से अली नामक ( मादी) हाथी शुक्रवार को छात्रों से मिलने आ रही है। बता दें कि यह हाथी कोई असली जंगली हाथी नहीं, बल्कि एक रोबोटिक हाथी है - एक यांत्रिक हाथी। इस हाथी के आगमन की घोषणा से धारावी इलाके के छात्रों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। हाथी पृथ्वी का सबसे बड़ा स्थलीय प्राणी है। इस स्कूल के 2500 से ज्यादा छात्रों के मन में यह खूबसूरत विचार अभी से उमड़ रहा है कि कब हम हाथी से मिल सकेंगे हम उसे कैसे छू पाएँगे? मिली जानकारी के अनुसार छत्रपति शिवाजी महाराज विद्यालय और छत्रपति शिवाजी राजे विद्यालय, महात्मा फुले एजुकेशन ट्रस्ट-मुंबई द्वारा संचालित दो बहुभाषी स्कूल हैं। संस्था के अध्यक्ष और पूर्व विधायक बाबूराव माने ने बताया कि संस्था के छात्रों और शिक्षकों ने अली हाथी के स्वागत की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं।

अली का एशिया के किसी स्कूल में यह पहला दौरा है। अध्यक्ष बाबूराव माने ने बताया कि इस यात्रा, जिसका नाम *एलिफेंट शो* है। इसका आयोजन रोटरी क्लब ऑफ

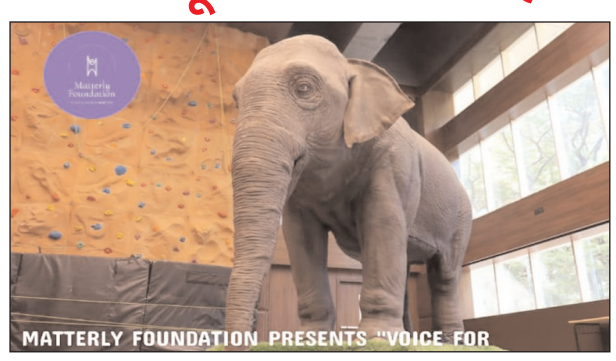


बॉम्बे-पेटा प्राणी मित्र संगठना के सहयोग से किया है। वॉयस फॉर द वॉइसलेस (व्यक्त न होने वाली आवाज , ताकत देना) शीर्षक के तहत आयोजित हो रहे इस हाथी शो में लड़के और लड़कियां हाथी के सभी अंगों को छू सकेंगे। अगर असली हाथी को खुरों से छूते हैं, तो हाथी भी अपनी त्वचा हिलाता है, इसलिए जब आप इस हाथी को छूएंगे, तो यह भी अपनी त्वचा हिलाएगा। यह अपनी सूंड हिलाएगा। इस शो की खास बात यह है कि यह हाथी मादी है और शो के दौरान यह हाथी छात्रों के सामने 30 मिनट का एकालाप देगी। सर्कस में मेरा उत्पीड़न, मैं मानवीय पीड़ा से कैसे बची, मैं कौन हूं? मैं कहां से आई हूं, आप बच्चों के साथ मुंबई में मुझे कैसा लग रहा है, इस बार यह हाथी लड़के और लड़कियों को अपनी जीवन यात्रा सुनाएगा। इससे छात्रों को हाथी के जीवन के बारे में उसके मुँह से सुनने को मिलेगा। साथ ही, छात्र हाथी से हिंदी और अंग्रेजी में प्रश्न भी पूछ सकेंगे। बच्चे पाठ्यक्रम, सिलेबस, सामान्य ज्ञान, जिज्ञासा, कला, खेलकूद से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे। खास तौर पर, यह इन प्रश्नों के उत्तर भी देगी। इस वजह से यह हाथी शो छात्रों के लिए एक शैक्षणिक गतिविधि के साथ-साथ मनोरंजन भी कराएगी। स्कूल की प्रधानाचार्या स्वाति होलमुखे ने कहा कि यह हाथी शो बच्चों की जिज्ञासा जगाने और शर्मीले व संकोची बच्चों के अवगुणों को दूर करने के लिए निश्चित रूप से अच्छा है।

## जब मंदिर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं तो अन्य धर्मों के प्रार्थना स्थान क्यों नहीं : भाजपा

**मुंबई।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने मंगलवार को कहा कि राज्य में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न मंदिर आगे आए हैं, और प्रश्न किया कि अन्य धार्मिक समुदायों के पूजा स्थलों ने ऐसा सहयोग क्यों नहीं किया। उपाध्ये ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह हिंदू या मुस्लिम का मुद्दा नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि राज्य अत्यधिक बारिश और बाढ़ से ग्रस्त है, लाखों परिवार संकट में हैं और सैकड़ों लोग इस आपदा से तबाह हो गए हैं।

उपाध्ये ने कहा कि ऐसे कठिन समय में, कई हिंदू मंदिरों ने राज्य सरकार के साथ-साथ सीधे प्रभावित लोगों को बड़े पैमाने पर और पारदर्शी तरीके से सहायता प्रदान करके एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, राज्य में अन्य धर्मों के पूजा स्थल - दरगाह और मस्जिद - क्यों पीछे हैं? भले ही उनके प्रशासन के पास करोड़ों रुपये की धनराशि है, फिर भी मदद की कोई ठोस घोषणा क्यों नहीं

की गई, धनराशि के बारे में कोई पारदर्शी जानकारी क्यों नहीं दी गई और बाढ़ पीड़ितों को कोई राहत क्यों नहीं दी गई? सवाल हिंदू या मुसलमान का नहीं है, सवाल संवेदनशीलता का है।भाजपा नेता ने विशेष रूप से तुलजाभवानी मंदिर, शेगांव गजानन महाराज संस्थान और सिद्धि विनायक मंदिर का हवाला देते हुए कहा कि इन मंदिरों ने सामूहिक रूप से पारदर्शी तरीके से सरकार को करोड़ों रुपये की सहायता भेजी है। उन्होंने कहा कि कई मंदिरों, ट्रस्टों और सार्वजनिक संगठनों ने अपनी क्षमता के अनुसार संकटग्रस्त लोगों तक भोजन, धन और आवश्यक वस्तुएं पहुंचाईं, जिससे मानवता की भावना का प्रदर्शन हुआ।राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए उपाध्याय ने कहा कि जो नेता और विचारक कभी हिंदुत्व का फर्जी मुखौटा पहनते हैं और कभी गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रति प्रेम का दावा करते हैं, जबकि मंदिरों का मजाक उड़ाते हैं और हिंदुओं की आलोचना करते हैं, उन्हें स्वयं इन सवालों पर विचार करना चाहिए। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में, जिनमें आमतौर पर सूखाग्रस्त रहने वाला मराठवाड़ा क्षेत्र भी शामिल है, हाल में भारी बारिश और बाढ़ आई, जिससे व्यापक क्षति हुई है।




उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# निजी अस्पताल में पानी के प्यूरीफायर में बिजली का करंट लगने से महिला की हुई मौत

## परिजनों का जमकर हंगामा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के नईगंज स्थित एक निजी नर्सिंग होम में इलाज कराने आई महिला के साथ आई युवती की मौत



अस्पताल परिसर में लगे वाटर कूलर में करंट लगने के कारण हो गई। घटना के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया।

मृतका की पहचान गुड़िया गौड़ के रूप में हुई है, जो कि अपनी सास लालती का इलाज कराने आज ट्यूलिप हॉस्पिटल में आई थी। जानकारी के अनुसार, गुड़िया पानी भरने के लिए जैसे ही वाटर कूलर के पास गई थी, तभी करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के देवर संतोष गौड़ ने आरोप लगाया कि वाटर कूलर में करंट आने की शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। यही लापरवाही उसकी भाभी की मौत का कारण बनी है।

परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद जिम्मेदार डॉक्टर भी समय पर बाहर नहीं आए और मौत की पुष्टि पुलिस के आने के बाद हुई। परिवार ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई और इंसाफ की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में बड़ी संख्या में निजी अस्पताल बिना मानक पूरे किए चल रहे हैं, जहां लापरवाही के चलते आए दिन मरीजों की जान जा रही है। लोग इन्हें अस्पताल नहीं बल्कि 'स्लॉटर हाउस' कहकर अपनी अपनी नाराजगी जता रहे हैं। अब देखना यह है कि जिले में लगातार लापरवाही की भेट चढ़ रहे लोग कभी निजी तो कभी प्रशासन के हाथों हो रही लापरवाही जान आम लोगों की जा रही है। बाद में हो हल्ला होने के बाद फाइल फिर धूल खाने लगेगी।

# लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने आयोजित किया पीस पोस्टर प्रतियोगिता

**अभिताश गुप्ता**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा दिनांक 30 सितम्बर, मंगलवार को नगर के प्रतिष्ठित बी.आर.पी.इंटर कालेज व जनक कुमारी इंटर कॉलेज में पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में आठ से बारह वर्ष के कुल 65 बच्चों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। बच्चों ने पीस विदाऊट लिमिट्स (अंत हीन शांति) विषय पर अपने अपने विचारों को अनोखे और रचनात्मक पोस्टर्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जिसमें उनकी सोच और शान्ति के प्रति उनके दृष्टिकोण परिलक्षित हो रहे थे।



क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने इस अवसर पर बच्चों एवं उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लायंस इंटरनेशनल का उद्देश्य इस प्रतियोगिता के माध्यम से विश्व भर के देशों में शान्ति और सौहार्द का संदेश फैलाना है। उन्होंने बच्चों के उत्साह और कल्पनाशीलता की सराहना की और कहा इस प्रकार की प्रतियोगिताएं समाज में शांति और एकता का संदेश देने की प्रेरणा देती है !संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा वर्तमान समय में जहां तनाव और हिंसा का बोल बाला है। ऐसे में शांति की इस अनमोल भावना को फैलाना बेहद महत्वपूर्ण है कार्यक्रम संयोजक ऋषि श्रीवास्तव ने बच्चों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने विचारों को बेहतरीन तरीके से पोस्टर्स में उकेरा है। इसमें उनकी सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देता है अन्त में दोनों विद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ तीन,तीन पोस्टर्स बनाने वाले बी.आर.पी. से कु०बबिता प्रथम, पवन भारद्वाज द्वितीय, कुङ्गसिमरन को तृतीय व जनक कुमारी इंटर कॉलेज से कु.चित्रांशी प्रथम, कु.जोया परवीन द्वितीय, अनुज शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सभी को अवार्ड देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया और उनकी कृतियों को लायंस इंटरनेशनल को भेजने की घोषणा की गई। जहां पर लायंस इंटरनेशनल द्वारा भी सर्वश्रेष्ठ पोस्टर्स को पुरस्कृत किया जाता है।

इस अवसर पर दोनों कालेजों के प्रधानाचार्यो ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विश्व में शांति, प्रेम, और सौहार्द का संदेश फैलाने का यह प्रयास न केवल सराहनीय है बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का यह प्रयास बच्चों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने और उनकी सृजनात्मकता को निखारने का उत्तम उदाहरण है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों का समर्थन करते रहने का आश्वासन दिया। सचिव बालकृष्ण साहू ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए सहयोग प्रदान करने वाले सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए पूर्व सचिव अजय सोनकर, कोषाध्यक्ष राजकुमार कश्यप विशेष रूप से इत्यादि उपस्थित रहे।

# स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा व्यापारिक नेटवर्क

## तेजस्वी किसान मार्ट के सहयोग से समूह बनेंगे स्वावलंबी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। तेजस्वी संगठन न्यास द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट, जो अब तक देशभर के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ कार्य कर रहा है, अब स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को भी अपने संगठनात्मक ढांचे से जोड़ने जा रहा है। इस नई पहल की शुरूआत सोनभद्र जनपद से होगी। तेजस्वी किसान मार्ट के संस्थापक ई. प्रकाश पाण्डेय जी ने बताया कि, स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को तेजस्वी किसान मार्ट के राष्ट्रीय स्तर के व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

समूहों को आधुनिक प्रशिक्षण देकर उन्हें उत्पादन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन (Marketing) की दिशा में मजबूत किया जाएगा। इस पहल से समूह आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेंगे और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका में



स्थायी सुधार होगा।

आज सोनभद्र जिले की एनआरएलएम डीसी श्रीमती सरिता सिंह जी के साथ इस विषय पर वृहद चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शीघ्र ही जिले में स्वयं सहायता समूहों को तेजस्वी किसान मार्ट से जोड़ा जाएगा। ई. प्रकाश पाण्डेय जी ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि गांवों में बनने वाले हर उत्पाद को उचित मूल्य और व्यापक बाजार मिले। एफपीओ की तर्ज पर अब स्वयं सहायता समूह भी संगठित होकर राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पाद बेच पाएंगे। यह कदम न केवल समूहों की आय बढ़ाएगा बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा। प्रमुख SHG उत्पाद जिनको मिलेगा लाभः अचार, पापड़, बड़ियां और मसाले, जैविक खाद्य पदार्थ, अनाज और दालें, हस्तशिल्प और हेंडीक्राफ्ट उत्पाद, अगरबत्ती, मोमबत्ती व घरेलू उपयोग की वस्तुएं, शहद, गुड़, आलू चिप्स व अन्य ग्रामीण उत्पाद।

# पुलिस लाइन जौनपुर सभागार कक्ष में आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में तीन को दी गई विदाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज दिनांक-30.09.2025 को पुलिस लाइन जौनपुर सभागार कक्ष में आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा पुलिस विभाग से आज अपनी



अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हो रहे। दो पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण व ऐच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले एक पुलिस कर्मचारी को अंग वस्त्र देकर सुखमय, मंगलमय एवं दीघार्यु जीवन की शुभकामना देते हुए विदाई दी गई। अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण का विवरण, उ0नि0 राम स्वरुप राय, मु0आ0 जितेन्द्र बहादुर सिंह(ऐच्छिक), फालोवर विनोद कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

# तहसील परिसर में घरौंनी वितरण

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ के निर्देश पर तहसील परिसर में महिलाओं को महिला डेस्क की स्टाफ ने घरौंनी वितरित किया। मिशनशक्ति फेज-5 के तहत तहसील परिसर में महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से महिलाओं को उनका स्वामित्व अधिकार अभिलेख (घरौनी)वितरित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं की समस्याओं का महिला कर्मचारी के माध्यम से ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के निर्देश पर निराकरण भी किया गया। इस अवसर पर महिला डेस्क की स्टाफ रुचि सिंह, उषा देवी, चंद्रावती लेखपाल उपस्थित थीं।

# विद्यालय में चलाया गया घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग और सावधानी अभियान

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को नगर के सेंट थॉमस रोड स्थित भारत गैस एजेंसी के कर्मचारियों ने क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय भरारी पट्टीचकेसर में घरेलू गैस और उसमें बरतने वाली सावधानियों से सम्बंधित अभियान चलाकर स्कूली छात्र और छात्राओं को जागरूक किया गया।





छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए विवेक कुमार अस्थाना ने कहा की गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग के लिए उसे सीधे खड़ा रखें, सीधी धूप और गर्मी के स्रोतों से दूर रखें, हवादार जगह पर रखें, और हमेशा जांच लें कि सिलेंडर खाली है या भरा है। रेगुलेटर को हर समय बंद रखें, और रिसाव होने पर खिड़कियां खोलकर जगह को खाली करें। बच्चों को सिलेंडर से दूर रखें और किसी भी रिसाव या खराबी के लिए सिलेंडर और रेगुलेटर को नियमित रूप से जांचते रहें। सुरक्षित उपयोग के लिए ध्यान रखने योग्य बातें-

**सीधा रखें:** सिलेंडर को हमेशा सीधा और स्थिर सतह पर खड़ा रखें।

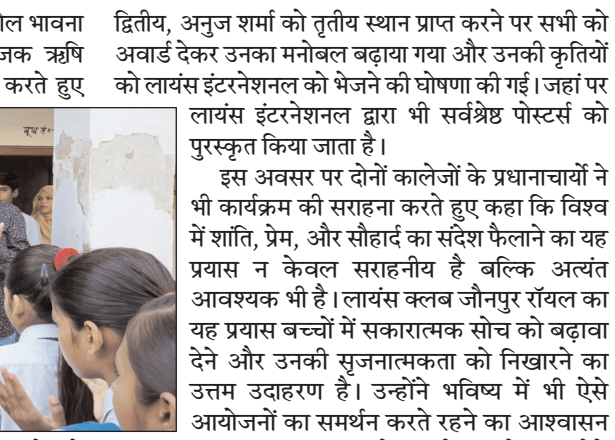

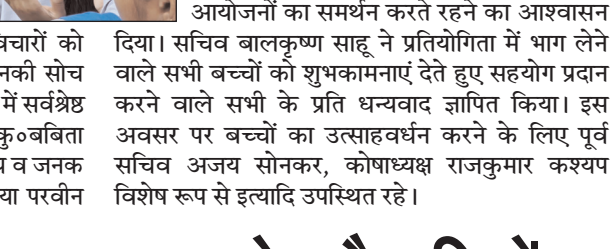

**गर्मी से बचाएं:** सिलेंडर को सीधी धूप, गर्मी के स्रोतों, या किसी भी आग के स्रोत से दूर रखें।

**हवादार जगह:** सिलेंडर को हमेशा अच्छी हवादार जगह पर ही रखें।

**नियमित जांच:** सिलेंडर की समाप्ति तिथि (expiration date) और किसी भी जंग या नुकसान के निशान के लिए नियमित रूप से जांच करें।

**वाल्व बंद करें:** इस्तेमाल करने के बाद हमेशा रेगुलेटर को बंद कर दें और स्टोव का नॉब भी बंद रखें।

**लीक चेक करें:** गैस पाइप में कोई जोड़ न हो। अगर गैस लीक हो रही है तो तुरंत खिड़कियाँ खोलें और जगह खाली कर दें।

**बच्चों को दूर रखें:** बच्चों को रसोई और गैस सिलेंडर से दूर रखें।

**सुरक्षा उपकरण:** सिलेंडर को संभालते समय दस्ताने और सुरक्षा चश्मा पहनें।

**स्वयं ठीक न करें:** यदि स्टोव या कनेक्शन में कोई समस्या है, तो उसे स्वयं ठीक करने की कोशिश न करें, बल्कि किसी विशेषज्ञ की मदद लें।

उक्त मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र बहादुर सिंह, सन्तोष सिंह, रामसागर यादव, धीरेंद्र वर्मा, राकेश यादव, सुमन यादव, राजेश, गुड़िया यादव, सुधीर वर्मार, रामसूरत सिंह रामकुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# एम.जुबेर ओरियंटल स्कूल को मिली यूपी बोर्ड से प्राइमरी की मान्यता, ग्रामीणों में खुशी की लहर

**निशानाथ**

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि दर्ज करते हुए ढंढवाराकला गांव स्थित एम. जुबेर ओरियंटल स्कूल को उत्तर प्रदेश बोर्ड से प्राइमरी स्तर तक की मान्यता मिल गई है। मान्यता मिलने के बाद विद्यालय परिसर में एक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षाविदों, प्रबुद्धजनों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यालय के प्रबंधक मो. आरिफ खान ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव व संसाधनों की कमी लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। बावजूद इसके, सीमित संसाधनों में भी यहां के बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह





मान्यता न सिर्फ विद्यालय बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

सभा को संबोधित करते हुए गांव निवासी एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता जेड के फैजान ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त माध्यम केवल शिक्षा ही है। शिक्षा से ही व्यक्ति में जागरूकता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रगति संभव हो पाती है।

वहीं, अब्दुल अजीज अंसारी पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सलीम खान ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला शिक्षा पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियां शिक्षित होंगी, तो पूरा समाज आगे बढ़ेगा।

मान्यता मिलने की सूचना जैसे ही गांव में पहुंची, ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों का कहना था कि अब बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा अपने ही गांव में मिल सकेगी, जिससे उन्हें दूर-दराज के स्कूलों में जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी।

इस अवसर पर प्रधानचर्य शाहिद नईम, अब्दुल्लाह फारूक, प्रबंधक डॉ0 वकील अहमद, मौलाना शाहिद, कमर आलम एडवोकेट, डॉ0 निजामुद्दीन, मो0 अजमल खान, फैज अहमद, अतहर एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे आयोजक मो0 जैद ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

# पाराकमाल में दुर्गा पूजा की धूम, आदर्श समिति ने सजाई भव्य प्रतिमा

## सुबह-शाम उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, गूंज रहे जयकारे

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर खेतासराय क्षेत्र के पाराकमाल गाँव में आदर्श दुर्गा मंदिर परिसर में इस बार भी माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। रविवार को मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ प्रतिमा का उद्घाटन हुआ। आकर्षक झाँकी और रंग-बिरंगी सजावट ग्रामीणों व श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।



सुबह-शाम समिति की ओर से आरती का आयोजन किया जा रहा है और प्रसाद वितरण होता है। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के गाँवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं। आरती के समय पूरा मंदिर परिसर ॽजय माता दीॽ के गगनभेदी नारों से गूंज उठता है।

समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व बीडीसी नंदलाल राजभर ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द और श्रद्धालुओं की आस्था को एक सूत्र में पिरोना है।

पूजा-अर्चना और कार्यक्रमों के संचालन में पुजारी मीना देवी के साथ कमलेश राजभर, सुरेंद्र कुमार, राजीव कुमार, डॉ. सुनील कुमार, कपिल राज, आयुष, राज, चंदन, धर्मेंद्र कुमार, गुलशन, विनोद, उमेश कुमार, संतोष कुमार बब्लू और नीतिश सहित कई स्थानीय युवा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

# कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं व बालिकाओं को किया जा रहा जागरुक

## मिशन शक्ति 5.0 के तहत हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति 5.0 के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं / बालिकाओं को जौनपुर पुलिस द्वारा किया जा रहा जा रहा सशक्त।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 एवं बालिकाओं के साथ शक्ति दीदी के रूप में जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस



जागरुक। मिशन शक्ति 5.0 के तहत थानावार व ग्रामवार कार्यक्रम कर जौनपुर पुलिस द्वारा किया जा रहा जागरुक। समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण।

महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया के तहत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर वृहद स्तर पर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। तथा महिलाओं आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के



# शहर जौनपुर में पानी की निशानी लिखेगी मौत की कहानी

## तीन लोगों की मौत का मातम अभी थमा नहीं, नगर पालिका और मौतों का इंतजार कर उनकी मैय्यत का मातम मनाने के इंतजार में

**रिपोर्ट: डॉ.इम्तियाज अहमद/सुशील कुमार गुप्ता**

सिद्दीकपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूरा मामला सिद्दीकपुर के कांशीराम आवशीय कॉलोनी का है। जहाँ करीब 62 ब्लॉक जिसमें तकरीबन 744 कमरे बने हुए हैं। एक ब्लॉक में 12 कमरे होते है। करीब 6 महीने से पानी की निकासी बाधित है, इस कॉलोनी में चाहे वह नहाने का पानी हो या बाथरूम का गंदा पानी हो या बर्तन धुलने का हो, इन पानी के निकासी



की कोई व्यवस्था इस समय नहीं है ।यह पानी इनके कॉलोनी के चारो तरफ जमा हो जाता है। विडियो क्लिप में आप स्पष्ट देख सकते हैं कि किस तरह नाले का पानी बीमारियों न्योता दे रहा है। यह बदहालि को बेरहमी से झेल रहे वहाँ के आवासीय। इतना ही नहीं बिजली का मीटर महज जमीन से करीब 5 इंच ऊपर लगा हुआ है ।जिसके नीचे पानी से सराबोर नाली का गंदा पानी प्रवेश करते ही बिजली की चपेट में आने से मौत हो सकती है।

**आखिर इसका जिम्मेदार कौन :** आगे का बना हुआ नाला किसी दूसरे विभाग के माध्यम से बना हुआ है। जिसमें कॉलोनी वालो का नाला जोड़ने नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण इतनी विकराल समस्या खड़ी हुई है। नाले के ठेकेदारों का कहना है कि जाइये नगर पालिका से परमिशन लेकर आइये तब जोड़ने देंगे। वहीं स्थानीय ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान का कहना है कि ये क्षेत्र मेरे अंतर्गत नहीं आता है, इसकी जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद की है। कॉलोनी में या अपने कमरे में आने जाने के लिये तत्कालिक समाधान के लिए ईंट रखकर काम चलाते हैं कॉलोनी के आवासीय। आखिर नगर पालिका और बिजली विभाग कब जागरूक होगा कहीं ये प्राची, समीर और शिवा की तरह किसी अनहोनी के इंतजार में तो नहीं।

# सप्तमी पर विधि विधान के साथ हुआ पूजन अर्चन और भण्डारे का आयोजन

## खुले माँ शारदा दुर्गा पूजा समिति के दुर्गा माता के दरबार के द्वार

**विशाल सोनी**

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को सप्तमी पर नगर के चूड़ी मुहल्ला स्थित भव्य दुर्गा पूजा पंडाल जो माँ शारदा दुर्गा पूजा समिति के तत्वधान में निर्मित की गई है। इस पंडाल में प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य अवनीश विक्रम सिंह ने विधि विधान के साथ पूजन अर्चन कर माँ दुर्गा के दरबार के पट खोल दिये गए।



उक्त अवसर पर श्री अवनीश विक्रम सिंह गुरु जी कहा की हर एक माता को अपनी खास शक्ति के लिए इन 9 दिनों तक पूरे विधि-विधान के साथ पूजा जाता है. वहीं, दुर्गा पूजा में मां दुर्गा का महिषासुर के साथ युद्ध और माता की राक्षस पर जीत को दिखाया जाता है, जो ये सिखाती है कि साहस, न्याय और सच्चाई हमेशा जीतती है।

वही इसी दौरान भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया।पंडाल के पर खुलने के उक्त पंडाल में माँ दुर्गा के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती दिखी।

इस अवसर पर पंडाल के अध्यक्ष विकास चौधरी और अन्य सदस्यों द्वारा कई समाजसेवियों को स्मृति चिन्ह भी देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप जायसवाल, अरविंद अग्रहरि, भानु अग्रहरि, सुशील सेठ बागी, मनोज अग्रहरि, अनिल कुमार मोदनवाल, विशाल सोनी सहित भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

## पालघर में भारी बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करे सरकार: सांसद

**पालघर।** पालघर और ठाणे जिलों में 27 और 28 सितंबर को हुई मूसलधार बारिश और चक्रवात जैसी स्थिति के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं और आम नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसी पृष्ठभूमि में, पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाइक से तत्काल सहायता की माँग की है। सांसद ने पत्र के माध्यम से प्रशासन से निम्नलिखित राहत उपायों की माँग की है: तत्काल पंचनामा: बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र पंचनामा कर क्षति का आकलन किया जाए। आर्थिक सहायता और पुनवार्स: किसानों और नागरिकों को तत्काल वित्तीय सहायता एवं पुनर्वास की सुविधा प्रदान की जाए। आपदा प्रबंधन निधि का उपयोग: राहत कार्यों को तेजी से शुरू करने के लिए आपदा प्रबंधन कोष से त्वरित प्रावधान किया जाए। स्वास्थ्य एवं आश्रय सुविधा: प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य शिविर, भोजन, सुरक्षित आश्रय, और अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया कराई जाएं। सांसद डॉ. सावरा ने विश्वास जताया है कि राज्य सरकार शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे प्रभावित नागरिकों को राहत मिलेगी और किसान फिर से अपने जीवन को पटरी पर ला सकेंगे।

## कबाड़ दुकान पर छापेमारी, ट्रैक्टर से भरकर समान ले गई पुलिस

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल के एसडीओ अनीता सिन्हा,एसडीपीओ अमन कुमार, के नेतृत्व में विभिन्न थाना पुलिस के सहयोग से महाराजगंज थाना क्षेत्र टेघड़ा बाजार पर मंगलवार के दिन छापेमारी कर पुराने कबाड़ मोटरसाइकिल के पार्ट्स टैक्टर पर लाद कर अपने साथ गोरिया कोठी ले गई। छापेमारी दुकान के मालिक सुरबीर गांव के वहाब मियां के घर पर भी छापेमारी की। बताया जाता है गोरिया कोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाइक जांच के दौरान एक बाइक चोरी की पकड़ी गई। वह बाइक एक दिन पूर्व लकड़ी नबीगंज थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। गोरिया कोठी के थाना प्रभारी मनीष कुमार द्वारा बाइक चालक से पूछताछ के दौरान बाइक चोरी होने की पुष्टि हुई। गिरफ्तार बाइक चालक के निशानदेही पर पुलिस छापेमारी कर रही है, टेघड़ा स्थित दुकान से एक व्यक्ति को भी पुलिस आपने साथ पूछ-ताछ के लिए ले गई है। इस संबंध में महाराजगंज के एसपीओ अमन कुमार से बात की गई, बताया कि अभी कार्रवाई चल रही है अभी कुछ बताना जल्दबाजी होगी।

## नोएडा और कर्नाटक में इमारतों के लिए ओसी प्रक्रिया हुई आसान, मुंबई में कब मिलेगी ओसी



**मुंबई।** उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मांग की है कि मुंबई की इमारतों को भी नोएडा और कर्नाटक सहित अन्य राज्यों की तर्ज पर ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुंबईकरों के साथ भी न्याय होना चाहिए और यहां भी ओसी प्रक्रिया को आसान बनाया जाना चाहिए। वर्तमान में मुम्बई में हजारों ओसी विहीन इमारतों के निवासियों की परेशानी बढ़ रही है और फ़्लैट हाथ से चले जाने का डर भी उन्हें सता रहा है। ओसी प्रक्रिया आसान करने से न सिर्फ फ्लैट धारकों की दिक्कत समाप्त होगी बल्कि सरकार को अच्छा खासा 'रेवेन्यू' भी मिलेगा। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कहा कि, नोएडा की कुछ इमारतों को ओसी देने के लिए माननीय सर्वोच्च अदालत का आदेश स्वागत योग्य है। इसी प्रकार कर्नाटक सरकार ने भी ओसी विहीन इमारतों के फ्लैट धारकों की दिक्कत को समझते हुए ओसी प्रक्रिया आसान करने का निर्णय हाल ही में ले लिया है। वहां भी अब ओसी प्राप्त करना बहुत आसान हो जाएगा। लेकिन मुंबई में यह प्रक्रिया बहुत जटिल और समय लेने वाली है। इससे मुंबईकरों को बहुत परेशानी हो रही है। ओसी प्रक्रिया को आसान बनाने से न केवल मुंबईकरों को राहत मिलेगी, बल्कि इससे शहर के विकास में भी मदद मिलेगी।

## जरती माई मंदिर के एक सदस्य की हार्ट अटैक से मौत

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के प्रसिद्ध जरती माई मंदिर पूजा समिति के एक वरीय सदस्य की मृत्यु अचानक हार्ट अटैक से अपराह्न में हो गई। मृतक का नाम जगदीशपुर निवासी 45 वर्षीय दीपन सिंह बताया जाता है। मंगलवार के दिन दीपन सिंह मंदिर परिसर में बैठकर आगंतुक दर्शकों की सेवा दे रहे थे। अचानक गिर पड़े। आनन फानन में आसपास के लोगों ने दीपन सिंह को अस्पताल ले गए। स्थिति गंभीर देख डॉक्टर ने सिवान रेफर कर दिया। लेकिन दीपन सिंह ने सिवान अस्पताल पहुंचने के पूर्वी रास्ते में दम तोड़ दिया। दीपन सिंह की मृत्यु कि खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मंदिर समिति के सभी सदस्य जूट कर परिजनों को समझने बुझाने में लगे थे। समाचार प्रेषित तक उनके अंतिम विदाई का कार्यक्रम चल रहा था।

## दो अक्तूबर को होगा रावण का पुतला दहन

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड समेत विभिन्न गांवों में विजयादशमी महोत्सव के अवसर पर दो अक्टूबर को दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। महाराजगंज विभिन्न पूजा पंडालों के दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में रावण के पुतला आकर्षक व भव्य बनाने की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। पूजा समिति ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी रावण का पुतला बनाया जा रहा है। पुतला दहन का कार्यक्रम दो अक्टूबर को दशहरा के दिन शाम सात बजे आर बी जी आर महाविद्यालय के प्रांगण में किया जाएगा।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक संपन

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सीडा में चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई और निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्य मानक के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण रहे। अवैध ईट भट्ठो के संचालन के संबंध में अब तक कृत कार्यवाही के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि ऐसे छोटे छोटे व्यवसायी जो ऋण लेना चाहते है उन्हें अधिक से अधिक आवेदन कराए। जिलाधिकारी के द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस की गस्त बढ़ाए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने दीपावली से पहले लोकल इन्वेस्टर समिट आयोजित करने हेतु निर्देश दिया। सीड़ा में बाउंड्रीवाल बनाए जाने के प्रगति के संबंध में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी को विजयदशमी, दिवाली सहित आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ, हर्षोल्लास तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार ,सहायक आयुक्त उद्योग जय प्रकाश, औद्योगिक संगठनों के अध्यक्ष/पदाधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

## वसई विकास के लिए मुख्यमंत्री से मिले स्नेहा दुबे

**वसई रोड।** वसई की संघर्षशील विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपील किया है कि मुख्यमंत्री से पुनः चर्चा किया कीवसई के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध संघर्षशील विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके निवास वर्षा पर मुलाकात की और वसई में महत्वपूर्ण सड़कों, फ्लाईओवरों और रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया।वसई-विरार शहर नगर निगम क्षेत्र में मुख्य सड़कों के कंक्रीटीकरण, फ्लाईओवरों और रेलवे ओवरब्रिजों के प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से लंबित हैं। वसई की विधायक निर्वाचित होने के बाद, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नागपुर में आयोजित प्रथम शीतकालीन सत्र में सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। उसके बाद से, वे इस मुद्दे पर सरकार और एमएमआरडी के साथ पत्राचार और बैठकें आयोजित करके इन लंबित मुद्दों पर लगातार अनुवर्ती कार्रवाई कर रही हैं।इस संबंध में, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने एमएमआरडी मुख्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और इन प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की। जब नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्तावों की समीक्षा की गई, तो पाया गया कि प्रस्तावों में कई त्रुटियाँ थीं। इसके लिए, 25 सितंबर को विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पुनः मनपा मुख्यालय में एमएमआरडीए अधिकारियों और मनपा के निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की और इन प्रस्तावों के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की तथा प्रारूपों को तदनुसार संशोधित कर 2 दिनों के भीतर संपूर्ण प्रस्ताव एमएमआरडीए को भेजने के निर्देश दिए। तदनुसार, मनपा ने इन प्रस्तावों में सभी त्रुटियों को दूर कर 26 सितंबर को ही एमएमआरडीए को प्रस्तुत कर दिए। तदनुसार, इन प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृत कराने हेतु, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने 30 सितंबर को पुनः वर्षा के निवास पर जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनसे चर्चा की। और उनसे इन प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृत कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे वसई तालुका में सड़कों की खराब स्थिति और यातायात की समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं और एमएमआरडीए के प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं। कहा कि शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

## स्नेहा दुबे ने अयप्पा मंदिर में ओणम महोत्सव में हुई शामिल

**वसई।** अय्यप्पा मंदिर, स्टेला, बरहानपुर, वसई पश्चिम में ओणम महोत्सव 'एकता, संस्कृति और सामाजिक समरसता का उत्सव'! भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उत्तम कुमार और प्रतीक्षा फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया ओणम महोत्सव 2025 बड़े उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित को इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, चंद्रशेखर धुरी भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ के संयोजक एवं प्रतीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्तम कुमार, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, सुरेश प्रजापति,सिद्धेश तावड़े,शेमल अ जगिया,छोटू आनंद,मैथ्यू कोलासो,दुर्लभ पढ़ीयार,लालजी कनोजिया सहित बड़ी संख्या में नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। ओणम केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि एकता, परंपरा और सामाजिक भाईचारे का उत्सव है। इस त्योहार ने सभी में नए उत्साह, आनंद और सामाजिक समरसता का संचार किया।

## शक्ति का सम्मान : 501 कन्याओं के चरण पखारे, मिला समाज सेवा का संदेश



**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** नवरात्र अष्टमी का पर्व जहां आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, वहीं यह समाज में नारी शक्ति के सम्मान का भी जीवंत संदेश देता है। इसी भाव को साकार करते हुए मिशन शक्ति 5.0 के तहत मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में 501 कन्याओं का पूजन विधि-विधान और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि आयुष राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, जिलाधिकरी सत्येन्द्र कुमार, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने कन्याओं के चरण पखारकर पूजन किया। मुख्य अतिथि दयालु ने कहा, नारी केवल पूजन की पात्रा नहीं, बल्कि समाज की धुरी और भविष्य की दिशा है। कन्या का सम्मान ही राष्ट्र की अस्मिता का सम्मान है। उन्होंने कहा, यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो वह केवल स्वयं शिक्षित होता है, लेकिन जब एक स्त्री शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य राय धर्मेन्द्र सिंह, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महिला कल्याण विभाग से सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती नम्रिता श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी डी.के. सिंह, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी नम्रता श्रीवास्तव, केंद्र प्रबंधक रश्मि दुबे, संरक्षण अधिकारी निरूपमा सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट रेखा श्रीवास्तव और प्रियंका राय समेत विभागीय टीम ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। महिला कल्याण विभाग के सौजन्य से 501 कन्याओं को प्रसाद, मिष्ठान और उपहार प्रदान किए गए। बालिकाओं के चेहरे उस क्षण खुशी से खिल उठे जब उन्हें समाज द्वारा शक्ति स्वरूप मानकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों एवं पुलिस विभाग के आरक्षियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने महिला सुरक्षा और सेवा कार्यों में विशेष योगदान दिया। नवरात्र अष्टमी पर 501 कन्याओं के पूजन का यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त संदेश भी है कि कन्या पूजन की वास्तविकता तभी सार्थक होगी जब समाज में हर बालिका सुरक्षित, शिक्षित और स्वावलंबी होगी। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, जिस देश की स्त्रियां शिक्षित, सबल और जागरूक होंगी, वही देश प्रगति और समृद्धि के शिखर पर पहुंचेगा। मिशन शक्ति 5.0 के तहत हो रहे ऐसे आयोजन नारी सम्मान और सशक्तिकरण की वह लौ प्रज्वलित कर रहे हैं, जो भविष्य की राह को उज्ज्वल बनाएगी।

## मुलुंड में भव्य प्रेरणा रास का आयोजन



**मुंबई।** पूर्व सांसद मनोज कोटक द्वारा लगातार 18 वें वर्ष कालिदास ओपन ग्राउंड, मुलुंड पर भव्य प्रेरणा रास डांडिया (नवरात्रोत्सव ) का आयोजन किया गया है । इस अवसर पर किरीट सोमय्या (पूर्व सांसद ), प्रभाकर शिंदे (पूर्व नगरसेवक ), डॉ. बाबूलाल सिंह(वरिष्ठ समाजसेवी),डॉ.सचिन सिंह(अध्यक्ष युवा ब्रिगेडअसोसिएशन), समाजसेवक संतोष विश्वकर्मा, मोहित सिंह, एड. शरीफ खान, श्रीमती जयबाला सिंह, श्रीमती बबिता गुप्ता का सम्मान माताजी का अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर मनोज कोटक ने सम्मान किया। डांडिया रास में शरद लस्करी बैंड के कलाकार दिव्या जोशी गणात्रा, नीरव बारोट, भावना गड़ा के सुमधुर गीतों पर रोजाना हजारों युवक युवती रंग बिरंगे परिधानों डांडिया रास में शामिल हो रहे हैं।

## अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान करने का एसडीओ का निर्देश

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल के निर्वाचन कार्यालय में निर्वाचक पदाधिकारी-सह-एसडीओ अनीता सिन्हा ने विधान सभा चुनाव के सुचारु संचालन के लिए अधिनस्त अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दी है। एसडीओ ने दिए गए निर्देश में कही है कि अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध एएमएफ (आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं) की स्थिति की जांच कर सुविधा बल करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मतदान केंद्रों, तथा संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान एवं व्यवस्थाओं पर पहल करने की बात कही है।

## सिद्धपीठ श्री रायमाता गांगियासर धाम में 1111 किलो के महा लड्डू का लगाया भोग

**गांगियासर।** मंगलवार को सिद्धपीठ श्री रायमाता गांगियासर धाम में शेखावाटी के सुप्रसिद्ध श्री रायमाता के लखी मेळे का शुभारंभ भाजपा जिला मंत्री महेंद्र चंदवा परिवार के सौजन्य से 1111 किलो के महालड्डू का भोग पृथ्वी गिरी महाराज, साध्वी करुणागिरि, महंत दशमी गिरि महाराज के सानिध्य में श्री रायमाता को भोग लगाकर किया गया। इस अवसर पर संतो एवं पधारें हुए अतिथियों ने महेन्द्र चंदवा परिवार को इस धार्मिक और सांस्कृतिक पुण्य कार्य के लिए साधुवाद दिया और कहा की इस प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यों में अपने कमाये हुए धन का सदुपयोग करना ही उत्तम कार्य है। इस पावन मौके पर विभाग प्रचारक मुकेश भाई, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल,उद्योगपति एवं समाज के भामाशाह मूलचंद कारगवाल भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष लादुराम बिडसर, महंत रविनाथ,पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, सांवरमल प्रजापत, विजय कुमार, कृष्ण कुमार,प्रवेश सिहाग विशेष रूप से मौजूद रहे। भाजपा जिला मंत्री महेन्द्र चंदवा ने बताया की श्री रायमाता की कृपा व मेरे माता पिता पाना देवी व सांवरमल के आशीर्वाद से 2014 से लगातार श्री रायमाता को 1111किलो के महालड्डू का भोग लगा कर श्रद्धालूओं में प्रसाद वितरण किया जाता रहा है। उन्होंने यह भी कहा की इसमें उनके छोटे भाई विजय कुमार, कृष्ण कुमार का भी विशेष सहयोग रहता है। इस मौके पर मंदिर में आए भक्तजनों को महालड्डू का प्रसाद वितरित किया गया।

## स्वार्थ का विस्तार ही परमार्थ है-पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज



**लाल शेखर सिंह**

**बलिया (उत्तरशक्ति)।** आओ गायें रामकथा घर घर मैंॅ इस आध्यत्मिक आंदोनल के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में बलिया के टी. डी. कॉलेज प्रांगण में 29 सितम्बर से 7 अक्टूबर 2025तक नित्य 3 से6 बजे तक नौ दिवसीय रामकथा का भव्य आयोजन किया गया है। इस रामकथा के मुख्य संकल्पी उत्तरप्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह हैं। मानस के व्यवहार घाट के वक्ता क्रांतिकारी संत पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने रामकथा की महिमा गान करते हुए कहा यह ऐसी कथा है कि इसमें जो जिस भाव में उपस्थित होता है उसे वैसी ही दृष्टिगोचर होती है।यह श्रध्दा पूर्वक सुनने पर सदैव मंगल करती है।यह भ्रम, भेंक भुवंगिनी है। प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से निवेदित करते हुए कहा कि कथा में भीड़ को उठाकर न लाया जाए जिसके प्रारब्ध में यह सौभाग्य होगा वह आकर स्वयं रामकथा को सुनेगा। स्वार्थ के विस्तार का ही नाम परमार्थ है। प्रेमभूषण महाराज ने श्रोताओं को यह कल्याणकारी मानस प्रेमसूत्र प्रदान करते हुए कहा जीवन में अपने हित लाभ में सत्संग और परमार्थ सेवा कार्यों को करते हुए जीवन की अगली यात्रा हेतु पुण्यवर्धन कर लेना चाहिए,जो आप के जीवन की अगली यात्रा में साथ जायेगा। प्रेमभूषण महाराज ने अपने वैशिष्ट्य के अनुसार मानस भाव प्रसंगों को सहजता से समझाने हुए अपने लोकप्रिय भजनों जय जय रामकथा. सत्संगति से प्यार करना सीखो जी सुनाकर भावविभोर कर दिया। शक्ति उपासना के पावन पर्व नवरात्रि की सभी को मंगल बधाई देते हुए अपना सर्वाधिक लोकप्रिय भजन..निमिया की डारी मइया..प्रस्तुत करते हुए कहा कि,माँ ही ऐसी है जिसकी सब पर सहज कृपा है। कथा क्रम में शिव-सती प्रसंग की चर्चा करते हुए श्रोताओं को सचेत किया कि. श्रेष्ठ का परीक्षण करना सदैव अमंगलकारी होता है इसलिए श्रेष्ठ पर सदैव विश्वास करते हुए उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए।

## जन जागृति सेवा संस्था द्वारा मुलुंड में भव्य नवरात्रोत्सव का आयोजन

**मुंबई।** जन जागृति सेवा संस्था द्वारा अमर नगर, मुलुंड में नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य नवरात्रोत्सव का आयोजन ड़े धूमधाम से किया गया। इस सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन में स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया और माता रानी की चौकी का आनंद उठाया। इस विशेष अवसर पर सुप्रसिद्ध गायिका प्रिया मिश्रा और उनकी टीम ने अपने मधुर भजनों से सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में चारों ओर भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस आयोजन की गरिमा बढ़ाने हेतु कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह, समाजवादी पार्टी के महासचिव रमाशंकर तिवारी, डॉ. सचिन सिंह तथा अनिरुद्ध दुबे प्रमुख रूप से शामिल थे। वहीं, माताजी की चौकी में विधायक भाई जगताप, मुंबई कांग्रेस कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा, कांग्रेस सचिव किशोर मुंडेकल, शिवसेना युवा नेता राजोल संजय पाटील, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विठ्ठल सातपुते, राकेश राघवन, एवं समाजसेवी शिवा सिंह की भी उपस्थिति रही। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुखराम शुक्ला, उपाध्यक्ष मुकेश दुबे, सचिव भरत चौबे, एवं कोषाध्यक्ष अजय राय द्वारा सभी अतिथियों का शाल, पुष्पगुच्छ व प्रसाद देकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम की सफलता में अखिलेश मिश्रा, मनीष ठक्कर, कृष्णा पाण्डेय, सुनील मंडल, सूरज शुक्ला, हरिओम तिवारी, विजय जाधव, दिव्यांश दुबे, अर्जुन सिंह, तथा विकास सिंह जैसे समर्पित कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन ने सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का सुंदर संगम प्रस्तुत किया, जिसे स्थानीय समाज ने बेहद सराहा।

## रामलीला मंचन में शबरी मिलन पर भावविभोर हुए श्रीराम भक्त

**-आदेश मिश्र**

**मुंबई।** श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में शबरी मिलन का बहुत ही मार्मिक दृश्य को भक्ति भाव से दशार्या गया। पूरे प्रांगण में शबरी के झूठे बेर को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मंच पर उपस्थित हुए पूर्व मंत्री महाराष्ट्र सरकार मोहम्मद आरिफ (नसीम ) खान,चांदीवली विधान सभा के विधायक दिलीप मामा लांडे,वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, आकाशवाणी के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शैलेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार नवीन पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश तिवारी,उद्योगति लंदन कल्पेश शाह,पार्क साईट पोलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष घाटेकर, काग्रेस नेता रामगोविन्द यादव का समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा श्रीरामनामी शाल पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका भेंटकर भव्य स्वागत किया गया।इसी कड़ी में मंच पर उपस्थित कस्टम ऑफिसर संजय प्रसाद,वरिष्ठ पत्रकार पवन पाठक,जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीश पांडेय,समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह,समाजसेवी देवीप्रसाद सिंह,भाजपा नेता सुरेश पाल, दिनेश शर्मा, एवं सागर पार्क के सभी सहयोगी साथियों तथा अन्य गणमान्य लोगों का भी स्वागत किया गया। विधायक दिलीप मामा लांडे और समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के हाथों सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय रैंक प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रोत्साहन राशि,प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट), श्री रामनामी शाल,पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका देकर सम्मानित किया गया। व प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को सर्टिफिकेट रामनामी शाल पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका देकर सम्मान के साथ प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री रामलीला प्रेमियों से रामलीला प्रांगण भरा हुआ था। तथा समिति के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।अंत में भूमिका अरविंद शुक्ला ने समिति के पूर्व अध्यक्ष बड़े भाई स्व.चंद्रशेखर आर शुक्ल के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपना विचार व्यक्त किया। और समिति द्वारा 2 अक्टूबर को दशहरा मेला,पुतला दहन और 3 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक एवं भोजपुरी बिरहा का जंगी मुकाबला और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। नामचीन कवियों व कवियत्रियों द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।आप सभी श्रद्धालु भक्तगणों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ।

# मैटर और Bolt.Earth ने की साझेदारी, अब देशभर में EV चार्जिंग और भी आसान

मुंबई। भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी मैटर मोटर ने आज Bolt.Earth के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इसका मकसद दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती, भरोसेमंद चार्जिंग, को आसान बनाना है। इस साझेदारी के जरिए मैटर राइडर्स को देशभर में चार्जिंग की सुविधा मिलेगी। मैटर का इकोसिस्टम Bolt.Earth के 1,00,000 से ज्यादा चार्जर और 1,800+ शहरों के नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इससे राइडर्स 'o अपनी एरा बाइक के लिए चार्जर ढूंढना और इस्तेमाल करना आसान होगा। मकसद है कि चार्जिंग उतनी ही आम लगे जितना मोबाइल चार्ज करना। साझेदारी के तहत पहले चरण में मैटर राइडर्स को Bolt.Earthके पूरे नेटवर्क तक सीधा एक्सेस मिलेगा, जो MÔtterVerse ऐप में पूरी तरह जुड़ा होगा। इसके बाद मैटर शोरूम और सर्विस सेंटर में को-ब्रांडेड चार्जर लगाए जाएंगे ताकि टेस्ट राइड, ग्राहक चार्जिंग और डीलरशिप तैयारियों में मदद मिल सके। भविष्य में नई मैटर बाइक के साथ Bolt.Earth के चार्जर पैकेज में शामिल भी हो सकते हैं। मैटर के फाउंडर मोहाल लालभाई कहते हैं: मैटर का मकसद सिर्फ एडवांस्ड इलेक्ट्रिक बाइक बनाना नहीं है, हम पूरी इकोसिस्टम को बेहतर बना रहे हैं। Bolt.Earth के साथ यह साझेदारी राइट टू चार्जिंग यानी हर राइडर को चार्जिंग का अधिकार देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हर राइडर को जहां वह रहता है, काम करता है या यात्रा करता है, वहां चार्ज करने की आजादी मिलनी चाहिए। हमारा मकसद है एश चार्जिंग को मोबाइल चार्जिंग जितना आसान बनाना।

# जो लोग यह प्रचार कर रहे हैं कि वामपंथी उग्रवाद पिछड़ेपन के कारण फैला, वे देश को गुमराह कर रहे हैं: अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में भारत मंथन-2025: नक्सल मुक्त भारत, पीएम मोदी के नेतृत्व में लाल आतंक का खात्मा के समापन सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर शाह ने स्पष्ट किया कि जो लोग यह प्रचार कर रहे हैं कि वामपंथी उग्रवाद का मूल कारण विकास है वे देश को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 31 मार्च, 2026 तक भारत नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

देश की जनता जानती है कि नक्सलवाद एक कोढ़ की तरह था, जिसने दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, विकास और स्थिरता को खोखला किया। कभी यह कहा जाता था कि पशुपतिनाथ से तिरुपति तक फैला ह्यरेड कॉरिडोरह्व देश के लिए सबसे बड़ा खतरा है। परंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और नक्सलमुक्त भारत के निमार्ता

अमित शाह की निर्णायक रणनीतियों के कारण आज वही रेड कॉरिडोर मजाक बनकर रह गया है।

देश की जनता यह भी जानती है कि कांग्रेस ने नक्सलवाद को समझने में कभी गंभीरता नहीं दिखाई। कभी वोट बैंक की राजनीति तो कभी वैचारिक समझौतों के कारण नक्सलवाद को सीधे-सीधे चुनौती देने के बजाय उसके लिए स्पेस तैयार किया गया। वामपंथी दलों का दोहरा चरित्र भी इस रोग को सींचता रहा। सत्ता में आने से पहले पश्चिम बंगाल में वामपंथियों ने नक्सलवाद को खुली हवा दी, और जब सत्ता में आए तो उसी को जड़ से खत्म कर दिया। यानी, जब उनके लिए राजनीतिक स्वार्थ पूरा हो गया, तब नक्सलवाद बेकार हो गया। इसी से स्पष्ट है कि विकास न पहुँच पाने की असली वजह पिछड़ापन नहीं, बल्कि हथियारबंद उग्रवाद था। भारत मंथन-2025 का समापन इस सच्चाई का गवाह बना कि नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में जो ऐतिहासिक बदलाव हुआ, वह 2014 के बाद संभव हो सका। उस दौर से पहले जम्मू-कश्मीर, नॉर्थईस्ट और वामपंथी कॉरिडोर झ्र ये तीन हॉटस्पॉट भारत की आंतरिक सुरक्षा को झकझोर रहे थे। लेकिन नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध शाह ने गृह मंत्रालय संभालने के बाद संवाद, सुरक्षा और समन्वय झ्र इन तीन स्तंभों पर काम किया। 2014 से पहले जहाँ सरकार की प्रतिक्रिया का स्टीयरिंग नक्सलियों के हाथों में था, वहीं 2014 के बाद स्टीयरिंग गृह मंत्रालय के हाथों में आ गया। अब सरकार ने'scattered approach'को छोड़कर 'unified और ruthless approach'अपनाई। जो हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनके लिए रेड कार्पेट बिछाया गया, पर जो निर्दोष आदिवासियों को मारने पर आमादा रहे, उनके खिलाफ सुरक्षाबलों को पूरी छूट दी गई। नक्सलियों की फंडिंग, कानूनी मदद और अर्बन नेटवर्क को तोड़ने में शाह की निर्णायक रणनीति दिखी। ईडी और एनआईए ने वित्तीय आपूर्ति की नाकेबंदी की। परिणाम सामने हैं झ्र 2004-14 की तुलना में 2014-24 में सुरक्षाबलों की शहादत 73% और नागरिकों की मौतें 74% तक घट गईं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं, बल्कि उस नई नीति की सफलता है जिसे अंत्योदय की राजनीति करने वाले शाह ने लागू किया।

# मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एक को हुई पाँच वर्ष की सजा

## 16,000 रु0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत हुई सजा, दिनांक-30.09.2025, पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश महोदय द्वारा चलाये जा रहे। ऑपरेशन कनविक्शन मिशन शक्ति-5 अभियान के दृष्टिगत जौनपुर पुलिस के द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन द्वारा प्रभावी पैरवी के क्रम में दिनांक 30.09.2025 अपर सत्र न्यायाधीश / एफटीसी, प्रथम, जौनपुर द्वारा अपहरण के अभियोग में एक अभियुक्त को दण्डित किया गया ,जिसका विवरण निम्नवत है। मु0अ0सं0 व धारा-2827/17 धारा 363/366/506 भादवि थाना कोतवाली जनपद जौनपुर से संबन्धित एक आरोपी को दण्डित किया गया ।आरोपी - प्रदीप सरोज पुत्र सुनील सरोज निवासी परमानतपुर थाना कोतवाली, जौनपुर, को दोषसिद्ध करते हुये आरोपी को 05 वर्ष के कारावास व मु0 16,000 रु0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

# जिलाधिकारी ने विभिन्न दुर्गा पण्डालों में पहुचकर व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा देर सायं कोतवाली स्थित विभिन्न दुर्गा पण्डालों में पहुचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा पण्डालों की सुरक्षा व्यवस्था, शांति व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान दर्शन पूजन करने आयी वयोवृद्ध महिला को प्रसाद वितरित करने के साथ ही पात्रता की दशा में शासन के द्वारा संचालित योजनाओं से संतृप्त करने हेतु निर्देश नगर मजिस्ट्रेट और अधिशांषी अधिकारी को दिय गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चैहान सहित अन्य उपस्थित रहें।

# विश्व हृदय दिवस पर व्हाइट लोटस हॉस्पिटल ने 500 से अधिक लोगों को दिया मुफ्त परामर्श

नवी मुंबई। दिल की बीमारियाँ किसी भी उम्र में दस्तक दे सकती हैं–फिर चाहे इंसान जवान हो या बुजुर्ग। विशेषज्ञ मानते हैं कि शरीर समय-समय पर चेतावनी देता है, लेकिन दिक़्कत इन्हें समय रहते पहचानने में होती है। डॉक्टरों के अनुसार, हृदय रोग से बचाव का सबसे असरदार तरीका है जल्दी जांच और सही समय पर परामर्श लेना। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए व्हाइट लोटस इंटरनेशनल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने विश्व हृदय दिवस पर अनोखी पहल की और 500 से अधिक लोगों को मुफ्त हृदय परामर्श दिया। इस कदम ने न सिर्फ.लोगों को अपनी सेहत जांचने का अवसर दिया बल्कि समुदाय में दिल की देखभाल को लेकर जागरूकता भी बढ़ाई।

सुबह होते ही अस्पताल के गलियारे हर उम्र के लोगों से भर गए–किसी के चेहरे पर जिज्ञासा थी तो कोई अपने दिल की सेहत को लेकर सजग नजर आ रहा था। सभी बारी-बारी से बुनियादी जांच कराने और हृदय रोग विशेषज्ञ से बातचीत करने के लिए इंतजार कर रहे थे। निःशुल्क परामर्श सत्र में डॉ. अनुज साठे, डॉ. निखिल परचुरे, डॉ. नितिन गुद्रे और डॉ. देवेंद्र देशमुख ने मिलकर लोगों को दिल की सुरक्षा के लिए जरूरी निवारक कदम, शुरूआती लक्षण पहचानने के तरीके और जीवनशैली में अपनाए जा सकने वाले बदलावों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। व्हाइट लोटस इंटरनेशनल हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर और क्रिटिकल केयर हेड डॉ. विजय डिसिल्वा ने बताया कि परामर्श के दौरान कई लोगों में दिल की बीमारियों के शुरूआती लक्षण नजर आए। उन्होंने कहा कि ऐसे कैंप बहुत जरूरी हैं क्योंकि ये हमें समय रहते खतरे को पहचानने का मौका देते हैं। शिविर में शामिल डॉक्टरों ने कहा कि अब दिल की बीमारियाँ सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही हैं। खासतौर पर हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापे के मामले युवाओं में चिंताजनक रूप से सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि जांच के दौरान कई लोगों में ऐसे खतरे के संकेत मिले जो अभी तक छिपे हुए थे और अगर समय रहते ध्यान न दिया जाता तो आगे चलकर यह गंभीर समस्या बन सकते थे। इसलिए नियमित जांच को उन्होंने बेहद जरूरी बताया। व्हाइट लोटस इंटरनेशनल हॉस्पिटल के कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अनुज साठे ने कहा कि समय पर की गई जांच मरीज की जिंदगी बदल सकती है। अगर हम जल्दी जोखिम पहचान लें, तो लोगों को लंबे और स्वस्थ जीवन का बेहतर मौका मिलता है।

# निष्ठावान भाजपा नेता अमित त्रिपाठी को जन्मदिन पर बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पश्चिम निवासी अमित त्रिपाठी (डाक्टर ) का जन्मदिन ३० सितंबर 2025 को प्रदेश के कर्मठ एवं ऊजार्वान प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र अमित त्रिपाठी के ४२वें जन्मदिन पर बधाई संदेश देने वालों में, उभामों प्रदेश अध्यक्ष संजय पाण्डेय , प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल राय, प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव रतन मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल राज वर्मा, आईटी सेल्स संयोजक ऋषिकेश पाण्डेय, कार्यालय सचिव चंद्रसेन तिवारी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष सिंधुदुर्ग प्रभाकर सावंत , भाजपा अंधेरी वार्ड से प्रभाकर शुक्ला , बाबा यादव , वरिष्ठ पत्रकार प्रेमचंद मिश्रा , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार 'हिंदुस्तान प्रहरी' घनश्याम तिवारी , वसई विरार से भाजपा नेता अमित ओमप्रकाश दुबे , वशिष्ठ शुक्ला , ओमप्रकाश तिवारी , महेश पटेल , जितेंद्र मिश्रा , सर्वेश त्रिपाठी , सर्वेश मिश्रा , अधिवक्ता राहुल दुबे , माधव त्रिपाठी , समेत कई लोगों ने अपनी शुभकामनाएं दिया।

# भक्ति और ज्ञान के माध्यम से ही आध्यात्मिक विकास संभव : पंडित पद्मेश महाराज

जौनपुर। श्रीमद्भागवत कथा हृदय को शुद्ध करती है, संशय दूर करती है, और भक्ति व ज्ञान के माध्यम से आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देती है। इसे सुनने वाला व्यक्ति जन्म जन्म जन्मांतर के बंधनों से मुक्त होता है। बदलापुर के मिरशादपुर गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यास पीठ से बोलते हुए श्रीधाम अयोध्या के प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित पद्मेश जी महाराज ने उपरोक्त बातें कही। 27 सितंबर से आरंभ कथा का समापन 3 अक्टूबर को हवन के साथ होगा। 4 अक्टूबर को भंडारा का आयोजन किया गया है। शाम 3 बजे से होने वाली कथा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य आयोजक पूर्व प्रधानाचार्य अशोक कुमार सिंह हैं। परिवार के राघवेंद्र सिंह ,अभिषेक सिंह ,अंकित सिंह तथा अंकुश सिंह आए हुए लोगों का स्वागत कर रहे हैं जबकि विशाल सिंह, अनुज सिंह, गर्व सिंह, मयंक सिंह, अक्षत सिंह तथा पूरा परिवार व्यवस्था में लगा हुआ है। अशोक कुमार सिंह के छोटे भाई राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि उनके काका अमरपाल सिंह एवं अग्रज कृष्ण कुमार सिंह द्वारा गयाधाम में तर्पण करने के बाद यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

# पुलिस ने 04 बकरा व 16 बकरी के साथ 04 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 -294/2025 धारा धारा 11 पशुक्रुरता अधिनियम से संबंधित आरोपीगण ,सुरेन्द्र पाल पुत्र स्व0 लल्लू पाल निवासी कोहडा थाना सरायख्वाजा जौनपुर, मोहम्मद इस्तियाक पुत्र मोहम्मद मोबिन निवासी मल्हनी पडाव ( हमाम दरवाजा ) थाना कोतवाली जनपद जौनपुर ,शमीम पुत्र मोबिन निवासी मल्हनी पडाव थाना कोतवाली जौनपुर, नौशाद पुत्र सुकरुल्ला निवासी बगीचा उमरखाँ थाना कोतवाली जौनपुर को आज दिनांक 30.09.2025 को समय करीब 08.50 बजे सुबह में कोतवाली क्षेत्र के हमाम दरवाजा से मुखबिर खास की सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। आरोपीगण उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

# दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत एक की हालत गंभीर

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बड़ागांव बाजार के समीप सड़क दुघर्टना में दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत होने से एक युवक की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के नयी आबादी मोहल्ला निवासी 40 वर्षीय अली अहमद पुत्र अब्दुल सत्तार मंगलवार की शाम बाइक से कादीपुर से अपनी पत्नी व एक बेटी घर आ रहें थे।कि जैसे ही बड़ागांव बाजार के समीप पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई जिसमे मौके पर अली अहमद की मौत हो गई। वहीं दूसरा व्यक्ति आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज निवासी रोहन गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं चिकित्सकों ने उक्त घायल का प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली में एक सशक्त UMEED केन्द्रीय पोर्टल, 2025 का शुभारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ सुश्री अनीता ने अवगत कराया है केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा एकीकृत वक्फ प्रबन्धन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (UMEED) अधिनियम-1995 जो 08 अप्रैल 2025 को लागू हुआ है। अधिनियम के प्राविधान के अनुसार धारा 3(क) के अनुसार केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली में एक सशक्त UMEED ेन्द्रीय पोर्टल, 2025 का शुभारम्भ किया गया है जिसका उद्देश्य मौजूदा औकाफ का विवरण, पंजीकरण, लेखा, लेखा परीक्षा और वक्फ एवं बोर्ड के अन्य विवरण जैसा कि कन्द्र सरकार द्वारा निधारित किया गया है, अपलोड किया जाना है। वक्फ सम्पत्तियों का विवरण पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त न होने की दशा में बोर्ड के दो उच्च अधिकारियों (सहायक सचिव) को अप्रुवल के रूप में नामित किया गया है तथा चार कार्यपालक अधिकारियों/मास्टर ट्रेनर को चेकर तथा जनपद के बड़े औकाफ से सम्बन्धित मुतवल्ली/प्रबन्ध समिति को जनपद को ऑर्डिनेटर के रूप में नामित किया गया है। इसी प्रकार उ0प्र0 शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा भी वक्फ सम्पत्तियों का विवरण वटएएऊ पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु Approver @ Checker @MÔkers /कोऑर्डिनेटर नामित किये गये हैं। उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा हेल्पलाईन नम्बर 0522-3132567 जारी किया गया है। उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिकों का विवरण कार्यपालक अधिकारी एजाज अहमद, 9795742635, एस0एम0 अफजाल काशिफ 9450627158, अहमद मुबीन किदवई 8299449768, मुजाहिद रहमान 8299363648, निरीक्षक अशर सिद्दीकी 8 0 8 1 0 7 9 9 4 4 , मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर मो0 शोएब 9451165409, इशाद खान (वक्फ न0 3154) 9984683470, महताब (वक्फ न0 2) 9336137257, नफीस अहमद (वक्फ न0 3194) 9670191498, मोहम्मद खालिद (वक्फ न0 9) 9919190288 और उ0प्र0 शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिकों का विवरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी जीशान रिजवी 9415036983, निजी सहायक शकील अब्बास 9935190711, एल0डी0सी0 राहिब अली 8756637860, मुतवल्ली/मेकर शौजाब अब्बास 9506677907, असिस्टेन्ट प्रोग्रामर आकाश वर्मा 9580120821, मुतवल्ली/मेकर सै0 मो0 जैदी8418901270 है। वक्फ सम्पत्तियों का विवरण वटएएऊ पोर्टल पर फीड कराये जाने के सम्बन्ध में जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित की गयी है जिसमें कनिष्ठ सहायक 8318912551 एवं मो0 कासिम लिपिक 9795273038 को डेस्क प्रभारी नामित किया गया है। बोर्ड द्वारा नियुक्त मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटरों को निर्देशित किया जाता है कि बोर्ड के निर्देशनुसार वक्फ सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराना सुनिश्चित करें तथा प्रगति से प्रतिदिन अवगत कराना सुनिश्चित करें।

# राज्य में पहले पालतू श्मशान गृह का उद्घाटन, मंत्री प्रताप सरनाईक की संकल्पना से शुरू हुई ऐतिहासिक पहल

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में पालतू जानवरों को सम्मानपूर्वक विदाई देने की व्यवस्था अब हकीकत बन गई है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालकमंत्री माननीय श्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक की संकल्पना और पहल पर आज, सोमवार, 29 सितंबर को पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार के लिए बनाए गए राज्य के पहले श्मशान गृह, जिसका नाम नवघर श्मशान गृह का उद्घाटन किया गया।

पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार की गंभीर समस्या थी

अभी तक पालतू जानवरों की मृत्यु के बाद उनके शवों को नदी, नाले, खाड़िया, नालों, कूड़े के ढेर या लंबे खुले स्थानों में फेंक दिया जाता था, जिससे बदबू और बीमारियाँ फैलने का खतरा बना रहता था। इस से स्वास्थ्य समस्याओं के फैलने की दर भी बढ़ रही थी। साथ ही, राज्य में कहीं भी पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार के लिए कोई सुसज्जित सुविधा नहीं थी। लेकिन अब मंत्री सरनाईक के प्रयासों से यह संभव हो पाया है और पशु प्रेमियों के लिए एक आरामदायक और आदर्श सुविधा उपलब्ध हुई है। पालतू पशुओं के गैस से दाह संस्कार से पर्यावरण संतुलन बना रहेगा। नवघर श्मशान में स्थापित पालतू जानवरों के लिए श्मशान पूरी तरह से गैस से चलने वाला होगा। यह एक पर्यावरण अनुकूल सुविधा है और इस श्मशान में पशुओं के शवों के अंतिम संस्कार के लिए प्राकृतिक गैस और प्रोपेन (एलपीजी) का उपयोग किया जाता है। यह प्रक्रिया शव को गैस और राख जैसे मूल रासायनिक यौगिकों में परिवर्तित करती है। पालतू जानवरों के लिए यह श्मशान लकड़ी जलाने से होने वाले प्रदूषण को भी रोकेगा। मीरा-भायंदर शहर में नवघर और काशीमीरा में दो पालतू जानवरों के लिए श्मशान स्थापित किए गए हैं। मंत्री सरनाईक ने बताया कि पहले, नवघर श्मशान का उद्घाटन हो चुका है और काशीमीरा स्थित दूसरे श्मशान का जल्द ही उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन के बाद मीरा-भायंदर शहर के पशु-प्रेमी नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया और पर्यावरण संरक्षण तथा पशुओं के प्रति स्नेह के सम्मिलन पर संतोष व्यक्त किया। उद्घाटन के बाद मीरा-भायंदर शहर के पशु-प्रेमी नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया और पर्यावरण संरक्षण तथा पशुओं के प्रति स्नेह के सम्मिलन पर संतोष व्यक्त किया।

मंत्री सरनाईक ने इस अवसर पर कहा, पालतू जानवर कई घरों में परिवार के सदस्यों की तरह होते हैं। उनके अंतिम संस्कार के लिए सम्मानजनक और सुसज्जित व्यवस्था प्रदान करना समय की मांग थी। मीरा-भायंदर में स्थापित राज्य का यह पहला पालतू श्मशान गृह राज्य के अन्य शहरों के लिए एक मिसाल कायम करेगा। भविष्य में अन्य शहरों में भी ऐसी सुविधाएं बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस सार्वजनिक समर्पण के साथ, मीरा-भायंदर शहर ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और पशु प्रेमियों की भावनाओं के सम्मान का संगम प्राप्त किया है।

# आस्था और संस्कृति का संगम बने पंडाल, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

-सुरेश गांधी

वाराणसी। शारदीय नवरात्र में काशी की गलियां, चौक-चौराहे और मैदान इस बार दिव्यता और भव्यता से भर उठे हैं। हर ओर देवी स्वरूप की छटा बिखरी है और पंडालों की झांकियां न केवल धार्मिक भावना को प्रबल कर रही हैं बल्कि संस्कृति, लोककला और समकालीन संदेशों का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत कर रही हैं।

हर गली, हर घाट और हर चौक मां दुर्गा की आराधना में रंगा है। कहीं घंटियों की गूंज है तो कहीं ढोल-ढाक की थाप। कहीं पंडालों की झिलमिलाती रोशनी है तो कहीं भक्तों का सैलाब। शारदीय नवरात्र ने इस बार काशी को ऐसा दिव्य रूप दिया है कि शहर का हर कोना मानो जगजननी के आशीष से आलोकित हो उठा है। खासकर नवरात्र व अष्टमी ने काशी को एक अद्भुत दृश्य दिया। गंगा घाटों से लेकर संकरी गलियों तक मां दुर्गा की भक्ति का ऐसा संगम उमड़ा कि हर ओर श्रद्धा का सागर लहराने लगा। मां के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, ढाक की थाप और शंखध्वनि से पूरा शहर गूंजने लगा। संध्या ढलते ही शहर की गलियां, पंडाल और चौक-चौराहे रंग-बिरंगी रोशनियों से सुसज्जित हो उठे। नियोन लाइटों और सजावटी झालरों से ऐसा प्रतीत हुआ मानो काशी स्वयं मां दुर्गा के स्वागत में सजी हो।

गंगा घाटों पर भक्ति का सैलाब, गलियों में सजावट, और पंडालों में सजीव झांकियां, यह सब मिलकर एक ऐसा अनुभव बना, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण हथुआ मार्केट का पंडाल है, जिसकी ऊंचाई 110 फीट है। कर्नाटक के मुरुदेश्वर मंदिर की भांति सजे इस पंडाल में 18 हाथों वाली मां दुर्गा विराजमान हैं। उनके साथ 40 देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ यहां आस्था में डूबकर दर्शन कर रही है। नई सड़क स्थित सनातन धर्म इंटर कॉलेज में खाटू श्याम थीम पर पंडाल सजा है। यहां लाइट एंड साउंड शो के जरिये मां महिषासुरमर्दिनी के अद्भुत रूप का सजीव चित्रण किया गया है। वहीं शिवपुर के मिनी स्टेडियम में पुरी के जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति सजाई गई है, जिसमें मां दुर्गा शांति और सद्भाव का संदेश देती हुई नजर आ रही हैं।

लाल कुआं का पंडाल बालाजी मंदिर की तर्ज पर है, जहां मां वैष्णवी बालरूप में विराजमान हैं। मच्छोदरानाथ में उड़ीसा के किचकेश्वरी काली मंदिर की थीम पर पंडाल बना है। अर्दली बाजार का पंडाल नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर का स्वरूप लिए हुए है, जहां मां दुर्गा और भगवान महादेव दोनों विराजमान हैं।

अर्दली बाजार का एक अन्य पंडाल जय माता सपोर्टिंग क्लब ने ऑपरेशन सिंदूर थीम पर सजाया है। इसमें मां काली को आतंकवादियों का संहार करते दिखाया गया है। इलेक्ट्रॉनिक शो के जरिए आतंकवादी मसूद अजहर के वध की झांकी देख श्रद्धालु रोमांचित हो उठे।

चेतगंज के पंडाल में मां को बच्चों को गोद में लिए दिखाया गया है, जो मातृत्व और करुणा का प्रतीक है। लहरतारा का पंडाल आतंकवादियों के वध की झांकी के कारण चर्चा में रहा। बंगीय पूजा समितियों में सप्तमी की संध्या विशेष पूजा और अनुष्ठानों से गूंज उठी। ढाक की गूंज और आदिवासी नृत्य ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने धुनुची नृत्य कर मां की आराधना की। सिगरा स्थित भारत सेवाश्रम संघ में पुष्पांजलि के बाद महाआरती, वाद्ययंत्रों की संगत और लाठी-तलवार के कौशल प्रदर्शन ने श्रद्धालुओं को मोहित कर लिया। बंगाली टोला में शंख बजाने की प्रतियोगिता हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

# मुलुंड में भव्य प्रेरणा रास का आयोजन

मुंबई। पूर्व सांसद मनोज कोटक द्वारा लगातार 18 वें वर्ष कालिदास ओपन ग्राउंड, मुलुंड पर भव्य प्रेरणा रास डांडिया (नवरात्रोत्सव) का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर किरीट सोमय्या (पूर्व सांसद), प्रभाकर शिंदे (पूर्व नगरसेवक), डॉ. बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ समाजसेवी), डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन ),समाजसेवक संतोष विश्वकर्मा, मोहित सिंह, एड. शरीफ खान, श्रीमती जयबाला सिंह, श्रीमती बबिता गुप्ता का सम्मान माताजी का अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर मनोज कोटक ने सम्मान किया। डांडिया रास में शरद लस्करी बैंड के कलाकार दिव्या जोशी गणात्रा, नीरव बारोट, भावना गड़ा के सुमधुर गीतों पर रोजाना हजारों युवक युवती रंग बिरंगे परिधानों डांडिया रास में शामिल हो रहे हैं।

# जौनपुर में क्लास फोर्थ के लड़के की सांप के डसने से हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना महराजगंज क्षेत्र में सर्पदंश से चौथी कक्षा के छात्र की मौत हो गई जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गद्दोपुर ग्राम पंचायत निवासी 10 वर्षीय रौनक कनौजिया को घर में खेलते समय सांप ने काट लिया था। परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। यह घटना दोपहर के समय हुई जब रौनक अपने घर में खेल रहा था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसके पैर में काट लिया। सांप काटने के बाद बिल में चला गया। रौनक, प्रमोद कनौजिया का इकलौता पुत्र था और प्राथमिक विद्यालय गद्दोपुर में कक्षा चार का छात्र था। वह अपनी बहन का इकलौता भाई भी था। सांप के काटने की जानकारी मिलने पर परिजन तुरंत रौनक को अस्पताल ले जाने लगे लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है।